twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 172, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

यात्री ध्यान दे, मई से वेटिंग टिकट के साथ ट्रेन में नहीं कर सकेंगे सफर

नई दिल्ली

अगर आप अक्सर ट्रेन के जरिए सफर करते है तो यह खबर आपके लिए है। भारतीय रेलवे ने 1 मई से टिकट के नियमों में सख्ती करने जा रहा है। अब वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को स्लीपर या एसी कोच में यात्रा की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी यात्री के पास वेटिंग टिकट है तो वह सिर्फ जनरल कोच में ही यात्रा कर सकेगा। एक मई से इस नियम के सख्ती से लागू होने के बाद यात्रियों के वेटिंग टिकट के साथ स्लीपर और एसी कोच में यात्रा करने पर रोक लग जाएगी। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट के साथ स्लीपर और एसी कोच में पाया जाता है तो टीटीई उस पर जुमार्ना लगा सकते हैं या उसे जनरल कोच में भेज सकते हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर कैप्टन शशि किरण ने बताया कि कन्फर्म टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए ये नियम बनाया गया है। ताकि वेटिंग टिकट वाले यात्रियों की वजह से कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को सफर में असुविधा न हो।

बिलावल के भड़काऊ बयान पर जलशक्ति मंत्री की चुनौती

सूरत

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टी जरदारी के भड़काऊ बयान पर पलटवार किया। पाटिल ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा कि ऐसे दहाड़ने का कोई मतलब नहीं है। अगर हिम्मत है तो भारत आकर दिखाएं। पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल समझौता निलंबित होने के बाद भुट्टो ने धमकी दी थी कि अगर पानी रोका गया तो नदियों में खून बहेगा। सूरत में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा, मोदीजी कहते हैं- 'जल है तो बल है' (पानी है तो ताकत है)। मोदी साहब ने कहा था कि (सिंधु जल संधि के तहत) पाकिस्तान को पानी नहीं मिलना चाहिए। इस पर बिलावल गुस्से में आ गए। वह कहते हैं कि अगर नदी का पानी नहीं मिलेगा तो भारत में खून की नदियां बहेंगी। भाजपा सांसद ने आगे कहा, क्या इससे हम डर जाएंगे? मैं उनसे (भुट्टो) कहता हूं- भाई अगर आपके पास थोड़ी सी हिम्मत है तो यहां आओ। यह दहाड़ पर ध्यान न दो, पानी बचाना हमारी जिम्मेदारी है।

भारत को मिलेंगे 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमान

पाकिस्तान से तनाव के बीच फ्रांस से 63000 करोड़ की डील

नई दिल्ली

भारत-फ्रांस के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए सोमवार को 63 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर हो गए। नई दिल्ली में भारत में फ्रांस के राजदूत के बीच हुए इस सौदे से भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन भी मौजूद थे। भारत और फ्रांस ने आज 26 राफेल मरीन विमान खरीदने के लिए 63 हजार करोड़ रुपये के बड़े सौदे पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने इसी माह 09 अप्रैल को फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दी थी।

इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। इससे भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी। फ्रांस को अनुबंध के तहत सौदे पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 37 महीनों के भीतर पहला राफेल मरीन विमान देने की बाध्यता होगी।

भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए बोइंग एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट की जगह फ्रांसीसी राफेल मरीन को चुना है। भारत और फ्रांस के बीच इस बारे में लम्बे समय से चल रही बातचीत पूरी हो चुकी है। पहले इस वित्तीय वर्ष में ही सौदे पर हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन संसद के बजट सत्र के कारण इसमें देरी हुई है। भारतीय नौसेना के मल्टी-रोल कैरियर बोर्न फाइटर के लिए आपातकालीन खरीद नीति के तहत सरकार-से-सरकार सौदे के माध्यम से 26 एयरफ्रेम प्राप्त किए जाएंगे। पहले इस तरह के 57 विमान खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में यह संख्या घटाकर 26 कर दी गई है।

राफेल मरीन की खासियत

एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है राफेल मरीन

राफेल मरीन विमान एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है। पाकिस्तान के पास मौजूद ए-16 और चीन के पास मौजूद जे-20 विमानों से राफेल ज्यादा बेहतर है। ये विमान अपनी अपनी उड़ान वाली जगह से 3700 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकता है।

इसको विमानवाहक युद्धपोत के लिए खास तैयार किया गया है। यह दुश्मनों के रडार को चकमा देने में सक्षम है। राफेल विमान हिमालय के ऊपर बेहद सर्द मौसम में भी उड़ सकता है।

इस फाइटर जेट के वजन की बात करें तो राफेल की तुलना में राफेल मरीन का वजन थोड़ा अधिक है।

राफेल जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है: नौसेना

इस अनुबंध में 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर जेट शामिल हैं, बेड़े के रखरखाव, रसद सहायता, कर्मियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी घटक निर्माण के लिए एक व्यापक पैकेज भी शामिल

वायु सेना के राफेल जेट और समुद्री संस्करण 'राफेल मरीन' में एक अंडरकारेज और नोज व्हील, एक बड़ा अरेस्टर हुक, एक एकीकृत सीढ़ी जैसे कई अन्य मामूली अंतर हैं। 'राफेल मरीन' स्की टेक-ऑफ के लिए चार-पांच टन तक बाहरी भार ले जा सकता है। भारत की जरूरतों के लिहाज से फ्रांसीसी कंपनी ने परमाणु सक्षम एक 'राफेल मरीन' स्की-जंप करने की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए भारत भेजा था। विमानवाहक आईएनएस 'विक्रांत' के लिए भारतीय नौसेना ने पिछले साल जनवरी में गोवा स्थित आईएनएस हंसा में समुद्री लड़ाकू विमान 'राफेल मरीन' का परीक्षण किया था। राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की सेनाएं कर रही हैं। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

मिग-29के लड़ाकू विमानों के बेड़े को हटाने की तैयारी

राफेल एम जेट आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और मौजूदा मिग-29के बेड़े का सहयोग करेंगे। भारतीय वायु सेना पहले से ही 2016 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का बेड़ा संचालित कर रही है। ये विमान अंबाला और हासीमारा में स्थित हैं। इस नए सौदे से भारत में राफेल जेट विमानों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो जाएगी, जिससे देश के 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के बेड़े में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय विमानवाहक पोतों, विशेष रूप से आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की तत्काल आवश्यकता है। बता दें कि खराब प्रदर्शन और रखरखाव संबंधी मुद्दों के कारण मिग-29के लड़ाकू विमानों के मौजूदा बेड़े को हटाने की तैयारी की जा रही है। 9 अप्रैल को समिति ने सबसे बड़े रक्षा सौदे को दी थी मंजूरी भारत ने इस महीने की शुरूआत में 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक के दौरान 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों के लिए अपने सबसे बड़े रक्षा सौदे को मंजूरी दी थी। इस अनुबंध में 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर जेट शामिल हैं, साथ ही बेड़े के रखरखाव, रसद सहायता, कर्मियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी घटक निर्माण के लिए एक व्यापक पैकेज भी शामिल है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-कमें पद्म पुरस्कार 2025 प्रदान किया है। बता दें कि, इस वर्ष 139 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्री और कई विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। इस कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम. टी. वासुदेवन नायर को फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, संपादक और वक्ता, को मलयालम भाषा, साहित्य और सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट बैन की मांग, कई प्लेटफॉर्म्स को नोटिस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ओटीटी और सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट पर बैन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, ओटीटी और सोशल प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के अलावा जिनको नोटिस जारी किया गया है, उनमें नेटफ्लिक्स, उल्लू डिजिटल लिमिटेड, ऑल्ट बाला जी, ट्विटर, मेटा प्लेटफार्म और गूगल शामिल है। पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर और अन्य की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र सरकार को नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी का गठन करने का निर्देश दे, जो इन प्लेटफार्म पर अश्लीलता को रोकने के लिए दिशा-निर्देश तय करे। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस याचिका को अन्यथा नहीं ले रही है। मेरी चिंता इस बात को लेकर है कि बच्चे भी इससे प्रभावित हो रहे है। इन प्रोग्राम की भाषा न केवल अश्लील है, बल्कि विकृत है। दो पुरुष भी इसे एक साथ बैठकर नहीं देख सकते। सिर्फ ये शर्त लगाई गई है कि 18 साल से ज्यादा उम्र वाले के कंटेंट है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि बच्चों की पहुंच इस कंटेंट तक नहीं है।

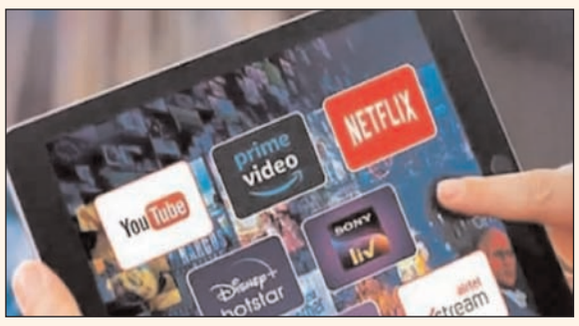

जस्टिस गवई ने कहा कि हमने भी देखा कि बच्चों को बिजी रखने के लिए माता-पिता उन्हें फोन दे देते हैं। सुनवाई की शुरूआत में जस्टिस गवई ने इस याचिका को लंबित रखने की इच्छा जताई। जस्टिस गवई ने कहा कि हम पर वैसे भी आरोप लग रहे हैं कि हम विधायिका और कार्यपालिका के काम में दखल दे रहे हैं।

2028 तक शुरू हो जाएगी बुलेट ट्रेन: देवेंद्र फडणवीस

परियोजना में देरी के लिए एमवीए को जिम्मेदार ठहराया

मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जापान के सहयोग से बन रही 15 अरब डॉलर की मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना 2028 तक चालू हो जाएगी। फडणवीस ने परियोजना में देरी के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य अगले चार महीनों में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से 50 अरब डॉलर जुटाएगा। शिव सेना के उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना फडणवीस ने कहा कि 2022 तक के दो साल के शासन में इस परियोजना को नुकसान हुआ, लेकिन अब काम पूरे जोरों पर है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस मामले में गुजरात, महाराष्ट्र से आगे है। एक कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि वधवन पोर्ट अगले 3-4 साल में शुरू हो जाएगा। यह बंदरगाह समुद्र में जमीन बनाकर विकसित किया जा रहा है और इससे लॉजिस्टिक्स की लागत कम होगी। उन्होंने बताया कि वधवन पोर्ट के पास ही बुलेट ट्रेन का स्टॉप भी होगा। साथ ही, यहां समुद्र पर एक हवाईअड्डा भी बनेगा। सीएम ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार ने परियोजना को रोकने का फैसला लिया। इस वजह से परियोजना में 2.5 साल की देरी हुई। अगर हम बुलेट ट्रेन पर 70,000 से 80,000 करोड़ रुपये निवेश कर रहे हैं और 2.5 साल तक काम रोक रहे हैं, तो उस पर लगने वाले ब्याज का बोझ कौन उठाएगा। दूसरी ओर गुजरात में बुलेट ट्रेन का काम तेजी से हुआ। फडणवीस ने कहा कि एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के जीएसडीपी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है।

केंद्र को फटकार- आप राजमार्ग बना रहे, लोग सुविधाओं के अभाव में मर रहे

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मोटर दुर्घटना के पीड़ितों के इलाज के लिए कैशलेस योजना में देरी पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा कि आप बड़े-बड़े राजमार्ग बना रहे हैं, लेकिन वहां सुविधाओं के अभाव में लोग मर रहे हैं। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि 8 जनवरी के आदेश के बावजूद केंद्र न तो निर्देश का पालन किया और न ही समय बढ़ाने की मांग की। शीर्ष अदालत ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 164ए को 1 अप्रैल, 2022 को तीन साल की अवधि के लिए लागू किया गया था। लेकिन केंद्र ने दावेदारों को अंतरिम राहत देने के लिए योजना बनाकर इसे लागू नहीं किया। पीठ ने सवाल करते हुए कहा, आप अवमानना कर रहे हैं। आपने समय बढ़ाने की मांग करने की जहमत नहीं उठाई। यह क्या हो रहा है? आप हमें बताएं कि आप योजना कब बनाएंगे? आपको अपने खुद के कानूनों की परवाह नहीं है। यह कल्याणकारी प्रावधानों में से एक है। इस प्रावधान को लागू हुए तीन साल हो गए हैं। क्या आप वाकई आम आदमी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं?

मंत्रालय के सचिव से किए सवाल शीर्ष अदालत ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव से आगे सवाल किया, क्या आप इतने लापरवाह हो सकते हैं?

पाक के कब्जे से बीएसएफ जवान को छुड़ाने के लिए डिप्लोमेटिक चैनल की मदद, बेनतीजा रही फ्लैग मीटिंग

फिरोजपुर

पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश करने वाले बीएसएफ जवान पीके साहू को को वहां के रेंजर्स ने अपनी हिरासत में ले रखा है। जवान की रिहाई के लिए कई बार फ्लैग मीटिंग कॉल की गई है, मगर पाकिस्तानी रेंजर्स की तरफ से कोई ठोस रिस्पांस नहीं मिला। पाकिस्तान, जानबूझकर कर फ्लैग मीटिंग को तव्वजो नहीं दे रहा। सूत्रों के मुताबिक, अब बीएसएफ के जवान की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित कराने के लिए डिप्लोमेटिक चैनल की मदद ली जा रही है। बीएसएफ के पूर्व अफसरों का कहना है कि गलती से एक दूसरे देश की सीमा में चले जाना कोई बड़ा अपराध नहीं है।

यूपी से चुन-चुन कर किया गया पाकिस्तानी नागरिकों को बाहर

सीएम की मॉनिटरिंग का बड़ा असर, सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजा

लखनऊ

पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश और पल-पल मॉनीटरिंग का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। वहीं अंतिम बचे एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उसपर नजर रखी जा रही है।

सीएम ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के दिये थे निर्देश

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिया। इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। सीएम योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हे उनके देश रवाना किया जाए। इसके साथ ही सीएम ने निर्देश दिये थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने वतन लौट गये हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिये गये।

75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के पाकिस्तान वापसी के लिए चलाया गया अभियान

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ उन्हे वापस भेजने की व्यवस्था की गयी। सीएम योगी की मंशा के अनुरुप प्रदेश में रह रहे शत प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों के वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भेजा गया। डीजीपी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है।

भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ जंग के ध्वज वाहक हैं :नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने भीतर छुपे हुए परशुराम जी को पहचानें। अपने अंदर के साहस, ज्ञान और सेवा के भाव को जागृत करें, क्योंकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए ऐसे भाव और आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में सत्य, निष्ठा और धर्म को अपनाएं तथा एक ऐसा भारत और हरियाणा बनाएं जो आत्मबल से समृद्ध और आत्मा से पवित्र हो। मुख्यमंत्री आज भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में 31 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सांसद कार्तिकेय शर्मा, सुरेंद्र नागर, रेखा शर्मा, ?कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे लिए सांस्कृति?क और धार्मिक रूप से एक विशेष पर्व है, बल्कि यह भारत की उस महान सनातन परंपरा का भी

प्रतीक है, जो समय- समय पर अधर्म का नाश करके धर्म की पुनः स्थापना करती रही है। भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ इसी जंग के ध्वज वाहक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत- विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया। उन्होंने केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। हमारी सरकार भी भगवान परशुराम जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान परशुराम जी ने शिक्षा के साथ साथ शस्त्र विद्या में भी राष्ट्र को समृद्ध किया है, उसी प्रकार आज हमें भी आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक शक्ति को भी सशक्त करना होगा। हमारी परंपराएं, हमारी भाषा, हमारी संस्कृति ये सब हमारी आत्मा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया को योग, आयुर्वेद और शांति का मार्ग दिखा रहा है। यह उसी विरासत का परिणाम है, जिसकी नींव भगवान परशुराम जी जैसे ऋषि-मुनियों और महापुरुषों ने रखी थी। भगवान परशुराम जी ने धर्म की स्थापना का जो मंत्र दिया ।

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी का ड्रीम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा होगा : मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मुंबई में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा हो जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने यह भी कहा कि महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में बुलेट ट्रेन का काम रुका हुआ था, लेकिन अब उनकी सरकार के दौरान एक बार फिर बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है, जिसे तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी पाकिस्तानी लापता नहीं है। महाराष्ट्र में रह रहे सभी पाकिस्तानियों की पहचान की जा चुकी है, उन्हें वापस उनके देश भेजने की प्रकिया चल रही है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना 508 किलोमीटर लंबी है। बुलेट ट्रेन के शुरू होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा मात्र 2 घंटे 7 मिनट में पूरी हो जाएगी। यह परियोजना महाराष्ट्र, गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगी। राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) इस परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है। जापान की शिंकानसेन तकनीक पर आधारित यह ट्रेन 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी, जबकि इसकी अधिकतम गति 350 किमी प्रति घंटा है। महाराष्ट्र में इस परियोजना के लिए 154.76 किलोमीटर लंबा मार्ग है, जिसमें मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार और बोईसर स्टेशन हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी पाकिस्तानी लापता नहीं है। हमारे पास सभी की सूची है। पाकिस्तान से महाराष्ट्र आए नागरिकों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र के आदेश का पालन करने वाले पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ देंगे।इससे पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि महाराष्ट्र में 107 पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं। इन सभी को तत्काल पुलिस को सूचित कर देना चाहिए। वर्ना महाराष्ट्र सरकार इन सभी लापता पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढ निकालेगी और कठोर कार्रवाई करेगी। एकनाथ शिंदे के इस व्यक्तव्य के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की खबरें चल रही थीं। इसी वजह से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस संबंध में आज खुलासा किया है।

श्री केदारनाथ धाम के लिए पंचमुखी डोली रवाना, दो मई को खुलेंगे कपाट

रूद्रप्रयाग/ऊखीमठ। श्री केदारनाथ भगवान की पंचमुखी डोली सोमवार को सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के साथ समारोहपूर्वक धाम के लिए प्रस्थान कर गई। डोली आज पहले पड़ाव श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में रात्रि विश्राम करेगी। केदारनाथ धाम के कपाट दो मई को प्रातः सात बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। सेना के बैंड के बीच डोली यात्रा का शुभारंभ रावल भीमाशंकर लिंग, बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। इससे पहले पंचमुखी उत्सव मूर्ति का पंच स्नान कराकर डोली में विराजमान कराया गया और उसे सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। डोली यात्रा के मार्ग में उखीमठ, संसारी, विद्यापीठ और गुप्तकाशी बाजार में श्रद्धालुओं ने फूलों से स्वागत किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी कतारबद्ध होकर डोली के दर्शन के लिए उपस्थित रहे। मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि डोली आज विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में रात्रि विश्राम करेगी। 29 अप्रैल को गुप्तकाशी से फाटा, 30 अप्रैल को फाटा से गौरीकुंड और एक मई को गौरीकुंड से केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी और शाम तक पंचमुखी डोली केदारनाथ धाम पहुंच जायेगी। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि केदारनाथ धाम में भी मंदिर समिति के अग्रिम दल ने यात्रा पूर्व तैयारियां पूरी कर ली है। मंदिर क्षेत्र में पेयजल, विद्युत व्यवस्था, भोग मंडी की साफ सफाई, मंदिर समिति कार्यालय, पूजा कार्यालय, दर्शन पंक्ति की सामान्य मरम्मत, पुजारीगणों एवं कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था संबंधित कार्य किये गये हैं।

मुंबई पुलिस ने अल्पकालिक वीज़ा पर आए 17 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा

मुंबई। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद महाराष्ट्र में पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। मुंबई पुलिस ने राज्य में अल्पकालिक वीज़ा पर रह रहे 17 पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित कर दिया है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 17 पाकिस्तानी नागरिक पर्यटक और मेडिकल वीज़ा पर यहां आये थे। इन सभी को 26 और 27 अप्रैल को उचित प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद वापस भेज दिया गया है। जो लोग चिकित्सा उपचार करवा रहे थे, उन्हें 29 अप्रैल तक का समय दिया गया ताकि वे अपनी निकासी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। अधिकारी ने बताया कि करीब 260 पाकिस्तानी नागरिक, जिनके पास भारतीय नागरिकों से विवाह या पाकिस्तानी नागरिकों से विवाह करने वाली लेकिन तलाकशुदा या विधवा होने के बाद भारत लौटने जैसी विभिन्न शर्तों के तहत दीर्घकालिक वीजा है, इसलिए वे शहर में ही रहेंगे। इसी तरह ठाणे पुलिस आयुक्तालय ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों से अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच हुई अहम मुलाकात, करीब 40 मिनट तक हुई बात

पीएम मोदी के पास जाने से पहले रक्षामंत्री ने सोमवार को ही आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी से रक्षा मंत्रालय में मुलाकात की थी।

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक प्रधानमंत्री आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षामंत्री के बीच यह बैठक करीब 40 मिनट तक चली। पीएम मोदी के पास जाने से पहले रक्षामंत्री ने सोमवार को ही आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी से रक्षा मंत्रालय में मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से सेना की तैयारी, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए कदम और सीमाओं की स्थिति की जानकारी ली। इस डील से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दी गई है। हाल ही में मिली इस मंजूरी के बाद अब यह डील होने जा रही है। इसके तहत नौसेना के लिए मरीन (एम) श्रेणी के राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जा रहे हैं। इससे जुड़े समझौतों पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए जाएंगे। फ्रांस के रक्षा मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से

बातचीत में शामिल होंगे। इस सब घटनाक्रम के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रधानमंत्री से मिलने प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। यहां दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गंभीर वार्ता हुई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की सेना पिछले चार दिनों से नियंत्रण रेखा के उस ओर से गोलीबारी कर रही है। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। गोलीबारी का यह सिलसिला पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुआ है।

इस बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। रक्षा मंत्री और जनरल अनिल चौहान की यह मुलाकात भी करीब 40 मिनट तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान आतंकवाद के खात्मे को लेकर जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री को सैन्य रणनीति और तैयारियों से अवगत कराया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की यह मुलाकात दिल्ली में रक्षा मंत्री के आवास पर हुई थी।

माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने भारतीय सैन्य बलों की तैयारियों पर रक्षा मंत्री को जानकारी दी थी। रक्षा तैयारियों को लेकर दिल्ली में बीएसएफ के अधिकारी भी मौजूद रहे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी गृह मंत्रालय गए थे।

पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाले भारत : असदुद्दीन ओवैसी

- **'पहलगाम में जिन आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया, वे पाकिस्तान में मौजूद हैं।'**

एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देशभर में गुस्सा है। आम हो या खास, हर कोई पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर भारत सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से यही मांग है कि पाकिस्तान को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में डालना चाहिए, तभी उनको समझ में आएगा। असदुद्दीन ओवैसी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वैष्णो देवी के पास एक स्थान है, जहां पिछले साल

जुलाई में 60 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। इसलिए, एक निवारक नीति पर विचार करने की आवश्यकता है। सर्वदलीय बैठक में पूरे विपक्ष ने सरकार से कहा कि आप कार्रवाई करें, जो भी आपको सही लगे, हम आपका समर्थन करेंगे ताकि मरने वालों के परिवारों को न्याय मिल सके और ऐसी घटना दोबारा न हो। इसलिए हम सरकार का पूरा समर्थन कर रहे हैं।'उन्होंने आगे कहा, 'पहलगाम में जिन आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया, वे पाकिस्तान में मौजूद हैं। उनको वहीं से ही पूरा सपोर्ट मिलता है और इसके बाद आतंकी बॉर्डर पार करके पहलगाम में आए और आतंकी हमले को अंजाम दिया। इससे पहले, जब मुंबई में 26/11 अटैक हुआ था, तो पाकिस्तान ने अपना हाथ होने से इनकार किया था, लेकिन जब कसाब पकड़ा गया, तो उन्हें स्वीकार करना पड़ा। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार क्या रुख लेगी, ये उनके ऊपर है। हमारा मानना है कि आतंकियों को रोकने और उन पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है।' असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधा।

मणिशंकर अय्यर के बयान को भाजपा ने बताया असंवेदनशील

- **'यह वही मणिशंकर हैं, जिन्होंने कभी पाकिस्तान से प्रधानमंत्री मोदी को हराने में मदद मांगी थी।'**

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर घमासान मच गया है। भाजपा ने पलटवार करते हुए उनके बयान को असंवेदनशील बताया है। सोमवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को पूरे देश ने देखा है और इसे लेकर लोगों में व्यापक आक्रोश है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में और अपने %मन की बात% में स्पष्ट रूप से कहा है कि आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई गई थी और बहुत ही सौहार्द्रपूर्ण माहौल में सभी ने मौन रखकर सरकार को कड़ी

कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह देश की एक बड़ी आतंकवादी घटना है, जहां लोगों को उनके धर्म के आधार पर गोली मार दी गई। उन्हें कहा गया, 'तुम हमारे धर्म के नहीं हो, तुम हिंदू हो, और गोली मार दी गई। कुछ लोगों को तो कलमा न पढ़ पाने के कारण भी गोली मार दी गई। इसके बावजूद कांग्रेस के कुछ नेता पीड़ितों के इस दावे पर सवाल उठा रहे हैं कि आतंकवादियों ने उनका धर्म नहीं पूछा। रविशंकर ने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि हम अभी भी विभाजन के परिणामों के साथ जी रहे हैं। यह वही मणिशंकर हैं, जिन्होंने कभी पाकिस्तान से प्रधानमंत्री मोदी को हराने में मदद मांगी थी। यह बेहद असंवेदनशील है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता सदन राहुल गांधी ने सार्वजनिक बयान दिया है कि हम सरकार के कदमों के साथ हैं। यही एक परिपक्व लोकतंत्र की मजबूती भी होती है।

भारत-फ्रांस के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खरीद का सौदा पूरा

इस सौदे से भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-फ्रांस के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए सोमवार को 63 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर हो गए। नई दिल्ली में भारत में फ्रांस के राजदूत के बीच हुए इस सौदे से भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी।भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन भी मौजूद थे। भारत और फ्रांस ने आज 26 राफेल मरीन विमान खरीदने के लिए 63 हजार करोड़ रुपये के बड़े सौदे पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने इसी माह 09 अप्रैल को फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। इससे भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी। फ्रांस को अनुबंध के तहत सौदे पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 37 महीनों के भीतर पहला राफेल मरीन विमान देने की बाध्यता होगी। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए बोइंग एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट की जगह फ्रांसीसी राफेल मरीन को चुना है। भारत और फ्रांस के बीच इस बारे में लम्बे समय से चल रही बातचीत पूरी हो चुकी है। पहले इस वित्तीय वर्ष में ही सौदे पर हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन संसद के बजट सत्र के कारण इसमें देरी हुई है। भारतीय नौसेना के मल्टी-रोल कैरियर बोर्न फाइटर के लिए आपातकालीन खरीद नीति के तहत सरकार-से-सरकार सौदे के माध्यम से 26 एयरफ्रेम प्राप्त किए जाएंगे। पहले इस तरह के 57 विमान खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में यह संख्या घटाकर 26 कर दी गई है।

आबकारी घोटाला और फर्जी चालान के मामले में इंदौर-भोपाल-जबलपुर में ईडी का छापा

एजेंसी

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी विभाग में फर्जी चालान मामले में सोमवार सुबह मध्य प्रदेश के तीन शहरों में इंदौर, भोपाल और जबलपुर में शराब ठेकेदारों के घर और दफ्तरों में छापेमारी की है। जबलपुर में शराब ठेकेदार जायसवाल और चौकसे ग्रुप के घर और दफ्तर में ईडी की टीम ने दबिश दी है, जबकि इंदौर में एक साथ 18 जगहों पर छापे मारे। जिन जगहों पर छापे पड़े, उनमें ज्यादातर शराब कारोबारी शामिल हैं। ईडी की टीमों ने बसंत विहार कॉलोनी, तुलसी नगर और महालक्ष्मी नगर जैसे इलाकों में कार्रवाई में जुटी है। भोपाल में शराब कारोबारियों के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। टीम ने मौके से शराब ठेके से जुड़े दस्तावेज, बैंक डिटेल और कम्प्यूटर हार्ड डिस्ट व लैपटाप जब्त किया है। सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई फर्जी बैंक चालान और आबकारी विभाग में हुए घोटाले को लेकर की जा रही है। यह घोटाला सबसे पहले साल 2018 में सामने आया था। आरोप है कि शराब कारोबारियों ने आबकारी विभाग के अफसरों के साथ मिलकर करोड़ों का घोटाला किया। माना जा रहा है कि घोटाले की रकम 100 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर यूपी से पाकिस्तानियों को वापस भेजा गया

एजेंसी

लखनऊ। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश और पल-पल मॉनीटरिंग का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। वहीं अंतिम बचे एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उसपर नजर रखी जा रही है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिए । इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये। इस

पर मुख्यमंत्री ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हें उनके देश रवाना किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं, इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने वतन लौट गये हैं। योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिये गये। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उन्हें वापस भेजने की व्यवस्था की गयी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरुप प्रदेश में रह रहे शत प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश में भेज दिया गया है। पाकिस्तानी नागरिकों के वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भेजा गया। वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है, जिसे 30 अप्रैल को पाक भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी के सख्त निर्देश और सीधी मॉनीटरिंग से उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां पर पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके देश भेज दिया गया है। वह अपने देश ही जाएं, इसके लिए पुलिस दल को भेजा गया।

कोंडली नहर में डूबे दो युवक, एक की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्थित कोंडली नहर में शनिवार शाम नहाने गए दो युवक डूब गए। शोर शराबा हुआ तो एक युवक को राहगीरों ने सुरक्षित निकाल लिया, जबकि दूसरा युवक गहरे पानी में डूब गया। बाद में मामले की सूचना पुलिस, दमकल विभाग और बोट क्लब को दी गई। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। काफी देर तक डूबे युवक की तलाश की गई। बाद में उसका शव नहर से बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान सतपाल (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद सतपाल का शव परिजनों को सौंपा। पुलिस भोपाल से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक सतपाल परिवार के साथ राजवीर कालोनी, न्यू अशोक नगर में रहता था। वह कारपेंटर का काम करता था। शनिवार को वह अपने घर पर मौजूद था। इस बीच उसका दोस्त भोपाल वहां पहुंचा। दोनों नहर में नहाने निकल गए। नहर में गहरे पानी में जाने की वजह से दोनों डूबने लगे। शोर शराबा हुआ तो कुछ लोग दोनों को बचाने नहर में कूद गए। लोगों ने भोपाल को सकुशल बाहर निकाल लिया जबकि सतपाल वहां डूब गया। बाद में बोट क्लब के इंचार्ज हरीश अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे। काफी देर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद टीम ने सतपाल का शव नहर से निकाल लिया।

झुग्गियों में लगी आग, दो मासूम की मौत

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के रोहिणी सेक्टर-17 स्थित श्री निकेतन अपार्टमेंट के पास बनी झुग्गियों में दोपहर अचानक आग लग गई। सूखा कबाड़ अधिक होने के कारण आग तेजी से फैली। हादसे में दो मासूम बच्चों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल 20 गाड़ियों ने दोपहर करीब साढ़े तीन बजे आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार झुग्गियों में आग के दौरान करीब डेढ़-दो दर्जन छोटे गैस सिलेंडर धमाकों के साथ ब्लास्ट हुए। गनीमत रही कि दमकल कर्मियों को चोट नहीं आई, लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत जरूर पेश आई। इस घटना में करीब दो सौ से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। यहां रहने वाले करीब एक हजार से अधिक लोग खुले आसमान नीचे आ गए। पुलिस का कहना है कि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस एफएसएल की मदद से आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर करीब 11.55 बजे रोहिणी सेक्टर-17 स्थित झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। घटना के दौरान आग में फंस जाने से दो बच्चों की मौत हुई है, जबकि 28 वर्षीय शाबुल शेख घायल हुआ है।

घर से लापता तीन किशोरियों को परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली। घर से लापता तीन किशोरियों को साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने बरामद कर परिजनों से मिलाया है। उनकी तलाश में पुलिस ने सोशल मीडिया से लेकर मैनुअल स्तर तक सभी संभावित प्रयास किए। किशोरियों के परिजनों व दोस्तों से भी जानकारी हासिल की गई। साउथ वेस्ट डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सागरपुर इलाके से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर उसकी तलाश आरंभ की। कोई सफलता न मिलने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी बलबीर सिंह की देखरेख में टीम गठित की गई। इस दौरान टीम ने बच्ची के परिजनों व दोस्तों से जानकारी हासिल की। इसके अलावा विभिन्न ग्रुपों में फोटो भी साझा किए गए। काफी खोजबीन के बाद लापता किशोरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद किशोरी को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा नेब सराय इलाके में 14 और 16 वर्षीय किशोरियों के लापता होने की शिकायत मिली थी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने मामले की जांच की तो पता चला कि लापता एक किशोरी के पास मोबाइल फोन है। वह दो नंबरों का इस्तेमाल कर रही थी।

पुलिस ने हथियार के साथ दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हाशिम बाबा गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान संभल उप्र निवासी रिहान और जाफराबाद निवासी सलमान अहमद के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि पकड़ा गया रिहान पहले एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। सलमान के संपर्क में आने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी और दिल्ली एनसीआर में हाशिम बाबा गैंग के सदस्यों को अवैध हथियारों की सप्लाई करने लगा। जबकि सलमान आठवीं तक पढ़ा है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में अभाविप का शानदार प्रर्दशन, वैभव मीणा संयुक्त सचिव निर्वाचित

काउंसिल की 42 में से 23 सीटों पर विजय

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि वामपंथी गठबंधन ने चार में से तीन शीर्ष पदों पर अपना दबदबा कायम रखा। अभाविप के हिस्से में एक पद आया। आइसा के नीतीश कुमार को अध्यक्ष, डीएसएफ की मनीषा को उपाध्यक्ष, डीएसएफ की मुन्तेहा फातिमा को महासचिव और अभाविप के वैभव मीना को संयुक्त सचिव निर्वाचित किया गया।मतगणना के दौरान अधिकांश समय अभाविप के उम्मीदवार सभी केंद्रीय पैनल पदों पर आगे रहे। यह जेएनयू में पारंपरिक वामपंथी प्रभुत्व के लिए एक मजबूत चुनौती को दर्शाता है। नतीजों में हार का अंतर बहुत कम रहा। यह कैंपस में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। अभाविप के नवनिर्वाचित संयुक्त

सचिव वैभव मीणा ने कहा कि संगठन ने एक दशक के बाद यह जीत हासिल की है।

अगले चुनाव में संगठन सभी शीर्ष चार पदों पर जीत हासिल करेगा। कैंपस हिंसा के कारण देरी के बाद 25 अप्रैल को हुए चुनाव में लगभग 5,500 विद्यार्थियों ने मताधिकार का प्रयोग किया। अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है। जेएनयूएसयू के फैसलों में अब अभाविप को अहम जगह प्राप्त हो सकेगी। यह विजय अभाविप के रूप में उस सकारात्मक बदलाव की विजय है जिसे जेएनयू के छात्रों ने चुना है। अभाविप का 1999 के बाद यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। संगठन ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में जीत हासिल की और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, इंटरनेशनल स्टडीज और संस्कृत और इंडिक स्टडीज में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की।

अभाविप का प्रदर्शन

-स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की 5 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ सोशल साइंस की 5 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की 2 में से 1 सीट पर जीत।
-स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन की 1 में से 1 सीट पर जीत।
-स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंस की 2 में से 1 सीट पर जीत।
-स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंस की 3 में से 2 सीटों पर जीत।
-स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की 4 में से 4 सीटों पर विजय।

रोड रेज में दो टैक्सी ड्राइवर को मारा चाकू, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले की खजूरी खास इलाके में रोडरेज में चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में दो लोग घायल हो गए। सूचना के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर जांच के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया। उत्तर पूर्वी जिलेके डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपित की पहचान जय कुमार के रूप में हुई है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गये आरोपित से पूछताछ करके वारदात में शामिल उसके अन्य साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।पुलिस के मुताबिक, गत 24 अप्रैल रात करीब 9.45 बजे खजूरी चौक के पास रोडरेज में चाकूबाजी की सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को घायल हालत में दो पीड़ित इकराम व शहजाद मिले। दोनों खजूरी खास इलाके के ही रहने वाले हैं। पीड़ितों ने बताया कि जब आरोपी पुराना थाना कट के पास पहुंचे तो उनकी कारें बाइक सवारों के साथ टकरा गईं। कहासुनी के दौरान अज्ञात

पुलिस के मुताबिक, गत 24 अप्रैल रात करीब 9.45 बजे खजूरी चौक के पास रोडरेज में चाकूबाजी की सूचना मिली।

बाइक सवारों ने इकराम और शहजाद पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और फरार हो गए। इसके बाद इंस्पेक्टर राकेश यादव की टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपितों में से एक की पहचान 23 वर्षीय जय कुमार उर्फ अनुज पंडित निवासी गली संख्या नौ, शिव विहार के रूप में की और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रोहिणी अग्निकांड पर सीएम रेखा गुप्ता ने प्रकट किया दुख, हर संभव मदद का आश्वासन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके की झुग्गी-बस्ती में आग लगने के कारण दो बच्चों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

हादसे पर दुख प्रकट करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, रोहिणी में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हार्दिक संवेदना। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।पीड़ित परिवार के लिए हर संभव प्रयास की बात कहते हुए उन्होंने लिखा, घटना के बाद, दिल्ली सरकार पीड़ितों की सहायता के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है। स्थानीय विधायक और एसडीएम तुरंत राहत प्रयासों का समन्वय करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जिसमें प्रभावित निवासियों

के लिए मोबाइल शौचालय, चिकित्सा सहायता और भोजन का प्रावधान शामिल है। विस्थापित परिवारों को पास के स्कूलों में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां उनके कल्याण के लिए अस्थायी आश्रय और सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए स्थिति की निगरानी कर रहे हैं कि हर प्रभावित व्यक्ति को समय पर सहायता और पुनर्वास दिया जाए। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। बता दें कि आग श्रीनिकेतन अपार्टमेंट के पास की एक झुग्गी में लगी और इसके कारण खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 5 किलो के कई रसोई गैस सिलेंडर फट गए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पीएफआई नेता ओएमए सलाम को दी 3 दिन की कस्टडी पैरोल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व अध्यक्ष ओएमए सलाम को केरल जाने के लिए 3 दिन की कस्टडी पैरोल मंजूर की है। कोर्ट ने यह फैसला सलाम की अर्जी पर सुनवाई के बाद दिया, जिसमें उसने परिवार से मिलने के लिए केरल जाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस अर्जी का कड़ा विरोध किया था। हाईकोर्ट ने सख्त शर्तों के साथ पैरोल मंजूर की। कोर्ट ने कहा कि सलाम को अपनी और सुरक्षाकर्मियों की यात्रा का खर्च खुद उठाना होगा। साथ ही, पैरोल के दौरान वो मोबाइल फोन, इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा और न ही कोई फोटो या वीडियो ले सकेगा। इसके अलावा, वो केवल अपने परिवार के सदस्यों से मिल सकता है और किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत या मुलाकात नहीं कर सकता। कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया कि उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जाए। एनआईए ने कोर्ट में सलाम

की अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि 3 दिन की कस्टडी पैरोल दिल्ली जेल नियमों के तहत सूचीबद्ध नहीं है। एनआईए के वकील ने तर्क दिया कि एक दिन की पैरोल ठीक हो सकती है, लेकिन तीन दिन की अनुमति देना उचित नहीं। उन्होंने सलाम के पीएफआई के पूर्व अध्यक्ष होने का हवाला देते हुए कहा कि उनकी रिहाई से कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। एनआईए ने बताया कि सलाम की गिरफ्तारी के बाद हिंसा की घटनाओं में 300 मामले दर्ज हुए थे। एजेंसी ने यह भी दावा किया कि पीएफआई का मकसद शरिया कानून लागू करना था, जिसे केरल हाईकोर्ट भी मान चुका है। कोर्ट ने एनआईए के तर्कों पर विचार किया, लेकिन सलाम को मानवीय आधार पर 3 दिन की कस्टडी पैरोल देने का फैसला किया।

भारत सरकार का एक्शन : डॉन, एआरवाई और जियो न्यूज समेत कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर लगाया बैन

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इस बीच, भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई करते हुए उन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये चैनल जम्मू-कश्मीर में दुखद पहलगाम आतंकी घटना की पृष्ठभूमि में भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सामुदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, गलत और भ्रामक कथन प्रसारित कर रहे थे। भारत ने जिन पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई की है, उनमें डॉन न्यूज (19.6 लाख सब्सक्राइबर), इरशाद भट्टी (8.27 लाख सब्सक्राइबर), समा टीवी (1.27 करोड़ सब्सक्राइबर), एआरवाई

न्यूज (1.46 करोड़ सब्सक्राइबर), बोल न्यूज (78.5 लाख सब्सक्राइबर), रफ्तार (8.04 लाख सब्सक्राइबर), द पाकिस्तान रेफरेंस (2.88 लाख सब्सक्राइबर), जियो न्यूज (1.81 करोड़ सब्सक्राइबर), समा स्पोर्ट्स (73.5 हजार सब्सक्राइबर), जीएनएन (35.4 लाख सब्सक्राइबर), उजैर क्रिकेट (2.88 लाख सब्सक्राइबर), उमर चीमा एक्सक्लूसिव (1.25 लाख सब्सक्राइबर), अस्मा शिराजी (1.33 लाख सब्सक्राइबर), मुनीब फारूक (1.65 लाख सब्सक्राइबर), सुनो न्यूज एचडी (13.6 लाख सब्सक्राइबर) और राजी नामा (2.70 लाख सब्सक्राइबर) पर प्रतिबंध लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में भारत ने सिंधु जल समझौते को रोकने का फैसला किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। इसके साथ ही, सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत जारी किए गए सभी वीजा छूट रद्द करने का फैसला भी किया है। इसके अलावा भारत में मौजूद पाकिस्तानी दूतावास को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इस फैसले के साथ ही अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट को भी बंद किया जाएगा, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच जमीनी संपर्क भी समाप्त हो जाएगा। ये सभी फैसले भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं। भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के मद्देनजर ये कदम उठाया है। इस हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

कायस्थ एकजुटता समय की मांगः राजीव रंजन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। जमुई में ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) द्वारा आयोजित कायस्थ महाकुंभ का उद्घाटन करते हुए जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष एवं जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि कायस्थ एकजुटता आज समय की मांग है । राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ महाकुंभ में उपस्थित चित्रांश बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस,लोकनायक जयप्रकाश नारायण,डॉ राजेंद्र प्रसाद, स्व लालबहादुर शास्त्री, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, महाराजा ललितादित्य, महाराजा प्रतापादित्य, कृष्णदेव राय, पुलकेशिन द्वितीय, मुंशी प्रेमचंद, महादेवी वर्मा और बालासाहेब ठाकरे आदि जैसी महान विभूतियों की संतानें आज अस्तित्व संकट के गंभीर दौर से जूझ रही हैं ।प्रशासन, पत्रकारिता और लॉ जैसे परम्परागत क्षेत्रों में भी चुनौतियाँ खड़ी हैं ।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर तो सबसे ज़्यादा मुश्किलें बढ़ रही हैं । कभी देश की अगुवाई करने वाली जाति आज हाशिये पर है । प्रसाद ने कहा कि आज भी राज्य के 35 से ज़्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में कायस्थ समाज की भूमिका निर्णायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए एकजुटता एवं वोट ट्रांसफर की क्षमता बेहद आवश्यक है । ग्लोबल अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इंजीनियरिंग ,मेडिकल एवं पॉलिटेक्निक एवं अन्य तकनीकी संस्थानों का जाल बिछाया गया है ।इसका लाभ कायस्थ समाज के छात्रों को उठाना चाहिए।

रोहिणी सेक्टर-17 अग्निकांडः 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर लगाया संवेदनहीनता का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-17 की झुग्गियों में लगी भीषण आग के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई नेता देर रात घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इस हादसे में मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसे लेकर 'आप' नेताओं ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि आग सुबह करीब 11:30 बजे लगी थी। फायर स्टेशन महज पांच मिनट की दूरी पर था, इसके बावजूद फायर ब्रिगेड दो घंटे बाद पहुंची, जब तक बच्चों की केवल राख बची थी। उन्होंने सवाल उठाया कि आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को कितने बजे मिली थी और आखिरकार इतनी देरी क्यों हुई?सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए हुए कहा कि जब यह भयावह घटना घटी, उस समय सीएम बवाना विधानसभा क्षेत्र में 'मन की बात' कार्यक्रम सुन रही थीं, जो घटनास्थल से अधिक दूर नहीं था। बावजूद इसके, मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक घटनास्थल

पर नहीं पहुंचे। भारद्वाज ने कहा, छोटे-छोटे बच्चे जलकर राख हो गए और उनके माता-पिता बिलखते रहे, लेकिन सरकार ने कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई।'

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने चुनाव से पहले झुग्गियों में जाकर कैरम और लूडो खेलते हुए दिखावे किए थे, लेकिन आज जब असली संकट आया है, तो कोई मदद के लिए नहीं आया। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को अब इन बच्चों के साथ कैरम खेलने आना चाहिए, और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी पीड़ितों से मिलना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 'इतना अमानवीय रवैया शायद ही कोई दिखा सकता है।' उन्होंने दावा किया कि रविवार रात तक घटनास्थल पर कोई खाने-पीने या दवाइयों की व्यवस्था नहीं थी, जबकि भाजपा सरकार दावा कर रही थी कि सभी इंतजाम कर दिए गए हैं।

दिल्ली में रह रहे 5000 पाकिस्तानी नागरिक, पुलिस को मिली लिस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंपी है, ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में पर्यटकों पर हुए हालिया आतंकवादी हमले के बाद केंद्र के हालिया निर्देश के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने सूची को दिल्ली पुलिस की एक विशेष शाखा के साथ साझा किया है और इसे आगे के सत्यापन और पहचान के लिए संबंधित जिले के साथ भी साझा किया गया है। सूची में हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों के नाम शामिल हैं, जिनके पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और उन्हें छूट दी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सत्यापन के लिए सूची को संबंधित जिले को सौंप दिया गया है और पाकिस्तानी नागरिकों से उनके देश लौटने के लिए कहा गया है। मध्य और उत्तर-पूर्व जिलों में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इस मामले पर एक बैठक बुलाई गई थी और दिल्ली पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा और खुफिया ब्यूरो (इंटेलिजेंस ब्यूरो) के अधिकारियों को दिल्ली में रह रहे इन पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में जानकारी एकत्र करने और उन्हें जल्द से जल्द भारत छोड़ने के लिए कहने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कई पाकिस्तानी नागरिक पहले ही देश छोड़ चुके हैं। एक अन्य अधिकारी ने पुष्टि की कि उनके पास दिल्ली में रह रहे 3000 और 2000 पाकिस्तानी नागरिकों की दो सूचियां हैं। कुछ नाम इन सूचियों में दोहराए गए हैं और उनके ठहरने की स्थिति का सत्यापन किया जा रहा है, क्योंकि कई पाकिस्तानी नागरिक पहले ही देश छोड़ चुके हैं।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दिए बयान पर रॉबर्ट वाड्रा की सफाई, 'मैं भारत के साथ खड़ा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना पर अपने पुराने बयान को लेकर विवादों में आए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं भारत के साथ खड़ा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मैं ये शब्द पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ लिख रहा हूं। इसलिए मैं चाहता हूं कि इसे उसी भावना से लिया जाए। वाड्रा ने कहा कि मैंने पहले जो कहा उसे उसके संपूर्ण संदर्भ में पूरी तरह से नहीं समझा गया है क्योंकि मेरे इरादों की गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने आगे लिखा, +चलिए मैं मानता हूं कि उन्हें स्पष्ट करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं ईमानदारी, पारदर्शिता और सम्मान के साथ खुद को स्पष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैंने कुछ दिनों तक मौन रहने का विकल्प चुना है। लेकिन, इसे निष्क्रियता, उदासीनता या देशभक्ति की कमी के रूप में न समझा जाए। वास्तव में, यह मेरे देश के प्रति मेरे गहरे प्रेम, सत्य के प्रति मेरे अगाध सम्मान और ईमानदारी के प्रति मेरी प्रतिबद्धता के कारण ही है कि मैंने बोलने से पहले चिंतन करने के लिए समय निकाला है। वाड्रा ने कहा, मैं इस बारे में स्पष्ट कर दूं कि

मैं कहां खड़ा हूं और हमेशा से कहां खड़ा रहा हूं, मैं उस भयानक आतंकवादी हमले की पूरी तरह निंदा करता हूं जिसमें निर्दोष लोगों की जान गई और परिवार बिखर गए। मैं हमेशा भारत के साथ खड़ा हूं और खड़ा रहूंगा। उन्होंने आगे लिखा कि कोई भी औचित्य नहीं है- राजनीतिक, धार्मिक या वैचारिक- जो कभी भी असहाय लोगों के खिलाफ हिंसा के इस्तेमाल को माफ कर सके।वाड्रा ने अंत में महात्मा गांधी के अहिंसक मंत्र की याद दिलाई। आगे लिखा, +मेरा मानना है कि किसी भी रूप में आतंक, न केवल व्यक्तियों पर बल्कि मानवता की आत्मा पर हमला है। यह हर इंसान के बिना डरे जीने के मूल अधिकार को खत्म कर देता है। कोई भी कारण इतना उचित नहीं है कि निर्दोष लोगों के खून बहाने को सही ठहराया जा सके। मैं हम सभी से यह याद रखने का आह्वान करता हूं कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया, अहिंसा निष्क्रिय नहीं है। यह सबसे साहसी विकल्प है जो हम चुन सकते हैं। बता दें कि वाड्रा ने पहलगाम घटना पर कहा था कि देश के मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं और यह घटना पीएम मोदी के लिए एक संदेश है।

घर से लापता तीन किशोरियों को परिजनों से मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। घर से लापता तीन किशोरियों को साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने बरामद कर परिजनों से मिलाया है। उनकी तलाश में पुलिस ने सोशल मीडिया से लेकर मैनुअल स्तर तक सभी संभावित प्रयास किए। किशोरियों के परिजनों व दोस्तों से भी जानकारी हासिल की गई। साउथ वेस्ट डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सागरपुर इलाके से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर उसकी तलाश आरंभ की। कोई सफलता न मिलने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी बलबीर सिंह की देखरेख में टीम गठित की गई। इस दौरान टीम ने बच्ची के परिजनों व दोस्तों से जानकारी हासिल की। इसके अलावा विभिन्न ग्रुपों में फोटो भी साझा किए गए। काफी खोजबीन के बाद लापता किशोरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताओं के बाद किशोरी को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा नेब सराय इलाके में 14 और 16 वर्षीय किशोरियों के लापता होने की शिकायत मिली थी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने मामले की जांच की तो पता चला कि लापता एक किशोरी के पास मोबाइल फोन है। वह दो नंबरों का इस्तेमाल कर रही थी। पुलिस ने दोनों नंबरों की सीडीआर निकलवाई तो पता चला कि किशोरी की लोकेशन पहले बरेली तथा इसके बाद शाहजहांपुर में पाई गई। बच्चों के पूरे रूट का पता लगाया गया। शाहजहांपुर में आरपीएफ की मदद से पता चला कि स्टेशन पर दोनों किशोरी साथी थी। उसके बाद अलग अलग हो गई। एक किशोरी ट्रेन से दिल्ली आ रही है। यह जानकारी पता लगने पर टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से 14 वर्षीय किशोरी को बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि दूसरी किशोरी बस से आने की जिद कर रही थी। इसके बाद पुलिस टीम ने कश्मीरी गेट बस अड्डे से दूसरी 16 वर्षीय किशोरी को भी बरामद कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह शाहजहांपुर में अपने दोस्त से मिलना चाहते थे। हालांकि वह वहाँ किसी को नहीं जानते थे और उनके पास पैसे भी खर्च हो गए थे। इसलिए उन्होंने वापस लौटने का निर्णय लिया।

संपादक की कलम से

वक्फ कानून की विसंगतियां सामने आई

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की जरूरत ही क्या है।'

स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजोर जमीन पर खड़े होने से वाकिफ हैं।

ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिकार कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ स्वीकार किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उसे अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसका भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता है कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लायी है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है कि इसका उद्देश्य वक्फ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है, कहीं परिलक्षित नहीं होता। रेलवे व सेना के बाद वक्फ के पास सबसे ज्यादा जमीनें होने पर भी जिस तरह से सरकार व भारतीय जनता पार्टी जोर देती रही है, वह यह दशार्ता है कि उनकी निगाहें वक्फ की जमीनों को हथियाना है। वक्फ बाय यूजर इस कानून का सबसे नाजुक बिन्दु है। जो सम्पत्ति धार्मिक कामों के लिये इस्तेमाल में लाई जा रही है परन्तु रजिस्टर्ड नहीं है, वह वक्फ बाय यूजर कहलाती है। नये कानून में सरकार उसे ले सकती है। हालांकि यह सभी धर्मों की सम्पत्तियों के मामले में है (हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध) लेकिन सरकार ने यह प्रावधान मुसलमानों के धार्मिक न्यासों के लिये लाकर बता दिया है कि इस कानून का उद्देश्य साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण भी है।

वक्फ कानून पर सुनवाई की अगली तारीख देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिये कि इस बीच केन्द्रीय वक्फ परिषद तथा बोर्डों में कोई नियुक्तियां नहीं होनी चाहिये। बेंच ने यह भी कहा कि इतनी सारी याचिकाओं पर सुनवाई सम्भव नहीं है, इसलिये कोर्ट केवल 5 याचिकाओं को सुनेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 8 अगस्त को केन्द्र सरकार ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पेश किया था जिसका उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन कर वक्फ की सम्पत्तियों में पारदर्शिता तथा सुप्रबन्धन लाना बतलाया गया था। इसमें वक्फ कानून 1923 को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। इस कानून का संसद के भीतर और बाहर तत्काल कड़ा प्रतिरोध हुआ था।

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले।

लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की जिद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचैनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल-पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मजबूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद-फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे।

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना जरूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही।

अब जब यह बयान आया है तब जाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका जिक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ करने वाले,कंद-मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का जिक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना जरूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं 'पंक्चरवाले' का जिक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं।

यह शब्दावली गुजरात में 2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था- प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, गरीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा?

आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाकई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है।

कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि 'बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिए' की क्या परिभाषा होगी; वक्फ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगे; कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फिलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने-बेचने लगेंगे।

इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे खत्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे।

वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे-ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें कानून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए 'एलियन' यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि- जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं।

मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी जाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था- 'जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं, जनता उनके फैसलों को देख रही है।' अभियान तो उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी चलाया था कि जजों की नियुक्ति का अधिकार और शक्ति चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए।

धनकड़ का सीधा तर्क था कि लोकतंत्र में जज भी सरकार तय करे, कॉलेजियम नहीं। जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि- अगर यह सिस्टम सही नहीं है तो सरकार नया कानून लाए। इस पृष्ठभूमि में रिजिजू की इस बात को कैसे लिया जाए जो उन्होंने सुनवाई से ठीक पहले एक चैनल को साक्षात्कार में कही- 'हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल को सरकार न्याय-व्यवस्था में दखल दे तो यह ठीक नहीं होगा। सभी शक्तियों के अधिकार सुपरिभाषित हैं।' बहरहाल सरकार ने अपना संदेश भेज दिया है कि उसे अपने फैसले को किस फ्रेम में फिट करना है।

घोटालेबाज और लुटेरे

हेरा-फेरी कर सत्ता में आई राज्य की मौजूदा सरकार के धोखाधड़ी और लूट-खसोट के कारनामे आए दिन सामने आ रहे हैं। अब जालना जिले में एक भयानक मामला सामने आया है। खुलासा हुआ है कि तलाठी, ग्राम सेवक और कृषि सहायक इन सभी ने प्रभावित किसानों के राहत अनुदान के करोड़ों रुपए हड़प लिए हैं। खास बात यह है कि उपजिला अधिकारी ने माना है कि यह करीब ५० करोड़ का गबन है। सरकार ने भारी बारिश, बाढ़ और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत अनुदान देने की घोषणा की थी। फर्जी किसान दिखाकर सब्सिडी में हेरा-फेरी की गई। कहा जा रहा है कि अब इस घोटाले की जांच चल रही है और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जालना में हुए इस किसान अनुदान घोटाले से राज्य सरकार का भ्रष्ट चेहरा एक बार फिर सामने आया है। सत्ताधारी मंडली जो चाहे दावा कर रही हो, लेकिन सत्ता में आने के बाद से समाज के

हर घटक से धोखाधड़ी

की जा रही है। वादे तोड़े जा रहे हैं। इस मंडली को सत्ता में लाने में लाडली बहनों का बहुत बड़ा योगदान था, लेकिन सत्ता मिलते ही इस मंडली ने लाडली बहनों को ह्यअसली चेहराह्न दिखाना शुरू कर दिया। कई नए नियम और मानदंडों का हौवा तैयार किया गया। पात्रता की जांच को अधिक कठोर बनाया गया। जिसके चलते विधानसभा चुनाव से पहले जो लाखों बहनें ह्यलाडलीह्न थीं, सत्ता स्थापित होने के बाद वे ह्यलाडलीह्न नहीं रहीं। उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री ने यह फरमान जारी किया कि नारंगी और पीले राशन कार्ड धारकों को छोड़कर बाकी सभी के आवेदन का सत्यापन किया जाएगा। अब ७ लाख ७४ हजार लाडली बहनों को १,५०० की जगह सिर्फ ५०० रुपए आर्थिक मदद दी जाएगी। वजह ये है कि इन महिलाओं को ह्यनमो शेतकरी सम्मान योजनाह्न से भी फायदा हो रहा है, ऐसा कहा जा रहा है। जो हाल लाडली बहनों का है वही सामान्य किसानों का है। ह्यहम किसानों का कर्ज माफ करेंगे यानी करेंगे ही।ह्न हुक्मरानों ने ऐसा

सार्वजनिक आश्वासन

दिया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने लाडली बहन योजना के आर्थिक बोझ का हवाला देकर यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि अब भी किसानों को कर्जमाफी देना संभव नहीं है। एक रुपए की फसल बीमा योजना भी रद्द कर दी गई। अन्न दाताओं से जुड़ी कई अन्य योजनाएं भी बंद कर दी गईं। लाडली बहन, किसान कर्जमाफी समेत कई अन्य मामलों में मौजूदा सरकार बारात के पीछे घोड़े नचाने का काम कर रही है। चुनाव प्रचार के दौरान नए नियम-कायदों के ये घोड़े कहां चर रहे थे?

कहीं आप भी तो बिना वजह नहीं खा रहे डोलो टेबलेट? हो सकते हैं ये नुकसान

कोरोना काल के बाद से देश में डोलो 650 कई सामान्य बीमारियों का इलाज बन गई है. बुखार हो, सिर दर्द हो या फिर शरीर में दर्द, बिना डॉक्टर की सलाह लोग डोलो खा लेते हैं. डोलो खाने से समस्या का समाधान तो हो जाता है, लेकिन इसके कई गंभीर साइड इफेक्ट भी हैं. डोलो 650 की खपत इतनी ज्यादा होना चिंताजनक है. एक अमेरिकी डॉक्टर ने भारत में डोलो 650 की खपत को लेकर ट्वीट भी किया गया है. उन्होंने कहा है कि भारतीय चॉकलेट की तरह डोलो 650 खा रहे हैं

डोलो 650 कोरोना काल के दौरान सामने आई थी. इस समय बुखार के मरीजों को यह दवा दी जा रही थी. कोरोना काल बीत गया, लेकिन देश में इसका प्रयोग नहीं रुका. डोलो 650 को लेकर डॉक्टरों को आर्थिक लाभ पहुंचाए जाने का मामला भी सामने आया था. फिलहाल यह दवा देश भर में प्रचलन में है. इस दवा को बिना डॉक्टर की सलाह के लिया भी जा रहा है. कुछ लोग तो कई दिन तक यह दवा लेते भी रहते हैं. बिना यह सोचे कि बिना डॉक्टर की सलाह और बिना जरूरत होने पर यह दवा खाने से गंभीर साइड इफेक्ट होते हैं.

बिना प्रिस्क्रिप्शन के मिल जाती है

डोलो 650 मेडिकल स्टोर से लेने के लिए किसी तरह के प्रिस्क्रिप्शन की जरूरत नहीं होती है. स्टोर संचालक केवल मांगने पर ही यह दवा दे भी देते हैं. इस दवा को कोरोना काल में सामान्य बुखार में प्रयोग करने के लिए डॉक्टरों ने कहा था. लेकिन, अब यह दवा आसान पहुंच के कारण कई और बीमारियों में भी ली जा रही है. जबकि उन बीमारियों को बिना दवा के भी ठीक किया जा सकता है. तुरंत असर होने और आराम मिलने के कारण लोग इस दवा को ले रहे हैं.

क्या होते हैं साइड इफेक्ट

डॉक्टर बताते हैं कि इस दवा को बिना जरूरत लेने और जरूरत से ज्यादा लेने पर एलर्जी हो सकती है. इतना ही नहीं इस दवा को लगातार लेने से लिवर और किडनी की गंभीर समस्या हो सकती है. इस दवा के खाने से स्ट्रेस भी बढ़ता है. कई जांच के जरिए यह भी साबित हो चुका है कि इस दवा की ओवरडोज एक्यूट लिवर फेलियर का भी कारण बन सकती है. यह दवा शरीर के अंदर गंभीर बीमारी के लक्षणों को दबा देती है, जिससे आगे चलकर खतरा ज्यादा बढ़ सकता है.

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

- पी. श्रीकुमारन

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है।

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

केरल का तर्क इस प्रकार होगा : राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना 'कानूनी रूप से

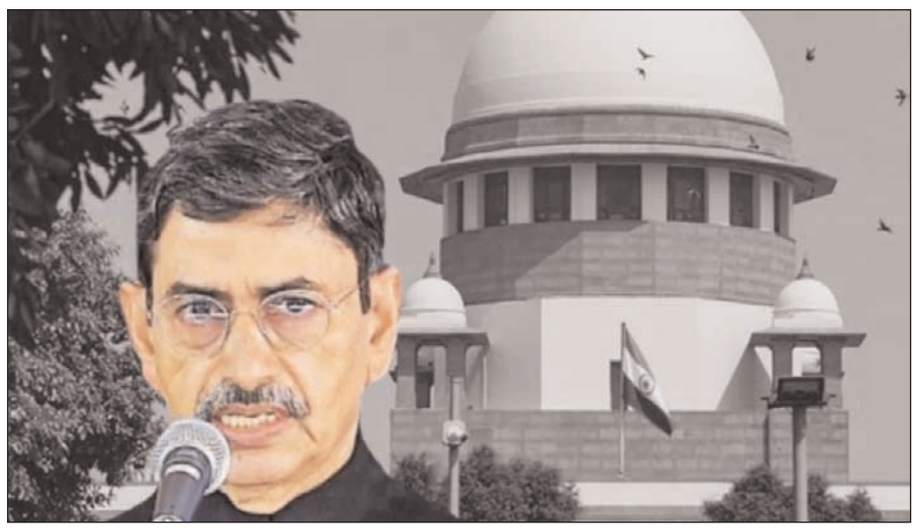

त्रुटिपूर्ण' था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए।

केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं: विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं।

केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगी: तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा-निदेर्शों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था !महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थी: स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना।

यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा।

नेपाल इस कठिन समय में खड़ा है भारत के लोगों के साथः डा. राणा

एजेंसी

काठमांडू। भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नेपाल के भारतीय दूतावास में सभा का आयोजन किया गया। इसमें नेपाल के उप प्रधानमंत्री विष्णु पौडेल, विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा कि नेपाल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करता है। नेपाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। नेपाल इस कठिन समय में भारत सरकार और लोगों के साथ खड़ा है। आतंकवाद से निपटने के दौरान कोई दोहरा मानक नहीं होना चाहिए। किसी भी आतंकवादी समूह द्वारा किसी भी देश या उसके लोगों के खिलाफ किसी भी उद्देश्य के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, माओवादी के राष्ट्रीय सचिव छविलाल विश्वकर्मा, पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंथ ठाकुर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के शिशिर खनाल आदि मौजूद रहे। इनके अलावा नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवादी हमले की निंदा की है।

ईरान के बंदरगाह पर हुए विस्फोट में 40 की मौत, 1000 लोग घायल

ईरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बंदरगाह पर ह विस्फोट की घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। दक्षिणी ईरान के शाहिद राजेई बंदरगाह पर मिसाइल प्रणोदक बनाने में इस्तेमाल आने वाले रासायनिक घटक की खेप से कथित तौर पर जुड़े भीषण विस्फोट में अब तक 40 लोगों की मौत हो गई और करीब 1000 लोग घायल हो गए हैं। ईरान की सेना ने इस बात से इनकार कर दिया है कि चीन से अमोनियम परक्लोरेट आयात किया गया है। सोशल मीडिया पर घटनास्थल का नया वीडियो सामने आया है, जिसमें बंदरगाह पर एक गड्ढा दिखाई दे रहा है, जो करीब एक मीटर गहरा है। अधिकारियों ने इस क्षेत्र में स्कूल और व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद कर दिए। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान पेजेशकियन ने कहा कि हमें यह पता लगाना होगा कि ऐसा क्यों हुआ।'' अधिकारियों ने बताया कि आग पर अब काबू पा लिया गया है तथा आपातकालीन कर्मचारियों को उम्मीद है कि रविवार तक आग पूरी तरह से बुझा दी जाएगी। 'प्लैनेट लैब्स पीबीसी' द्वारा ली गई और समाचार एजेंसी प्रेस' द्वारा विश्लेषित उपग्रह तस्वीरों से पता चला कि घटनास्थल पर अभी भी काले धुएं का विशाल गुबार उठ रहा है।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में 43 फिलिस्तीनी मारे गये

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायल की ओर से किये गये हमलों में कम से कम 43 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के उत्तर-पश्चिम में हमाद शहर के पास विस्थापित व्यक्तियों के एक तंबू पर इजरायली विमान के हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित आठ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि एक अन्य इजरायली हवाई हमले में मध्य गाजा के डेर-अल-बलाह में पांच फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात और बुरेज शरणार्थी शिविरों के प्रवेश द्वार के पास एक कैफे पर इजरायली हवाई हमले में छह लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। श्री बसल ने कहा कि मध्य गाजा पट्टी के अल-जवेदा शहर में बच्चों के एक समूह पर इजरायली ड्रोन हमले में कम से कम चार बच्चे मारे गए। गाजा शहर के उत्तर-पूर्व में तुफ़ाह पड़ोस में फ़िलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाकर इज़रायली विमानों द्वारा किए गए हमले में तीन बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। श्री बसल के अनुसार, गाजा शहर के पूर्व में शुजाय्या, अल-जैतून और अल-तुफ़ाह पड़ोस में कई घरों पर इज़रायली हवाई और तोपखाने के हमलों में कम से कम 12 फ़िलिस्तीनी मारे गए।

पाकिस्तान में अभियान में दो सैनिक और 15 आतंकवादियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में अलग-अलग अभियानों में दो सैनिक मृत्यु हो गयी, जबकि 15 आतंकवादी मारे गए।सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने प्रांत के करक, उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया। आईएसपीआर के बयान में कहा गया कि करक जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुयी मुठभेड़ के दौरान आठ आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान में चार आतंकवादी मारे गए, साथ ही आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी में दो पाकिस्तानी सैनिकों की भी जान चली गई।

सिंधु नहर प्रोजेक्ट : एक बार फिर पीपीपी ने दी शरीफ सरकार से बाहर निकलने की धमकी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने कहा कि अगर कॉमन इंटरेस्ट्स काउंसिल (सीसीआई) की आगामी बैठक में सिंधु नहर संबंधी मुद्दे का समाधान नहीं हुआ तो वह संघीय सरकार से बाहर निकल जाएगी और अपना समर्थन वापस ले लेगी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सिंधु नदी पर छह नहरों के निर्माण के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए 2 मई को सीसीआई की बैठक बुलाई गई थी। बता दें सिंधु नदी पर नहरों के निर्माण का भारी विरोध हो रहा है विशेष तौर पर सिंध प्रांत ने जहां प्रदर्शनों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। पीपीपी नेता और सिंध के ऊर्जा मंत्री नासिर शाह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, अगर सीसीआई की बैठक में नहरों का मुद्दा नहीं सुलझा तो पीपीपी सरकार से

अलग हो जाएगी। ट्रिब्यून के अनुसार, नासिर शाह के नेतृत्व में पीपीपी प्रतिनिधिमंडल ने सरकार में अपने गठबंधन सहयोगी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के साथ बैठक की। उन्होंने एमक्यूएम नेताओं से अनुरोध किया कि वे रिक्त सीट के लिए आगामी सीनेट उपचुनाव से अपना उम्मीदवार वापस ले लें। एमक्यूएम-पी के साथ बैठक के बाद शाह ने कहा कि नहर मुद्दे ने पूरे प्रांत के लोगों को एकजुट कर दिया है, क्योंकि यह सिंध के लिए काफी अहम है। शाह ने कहा, हम जानते हैं कि अगर पीपीपी सरकार से बाहर निकलती है, तो वह चल नहीं सकती है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि सरकार नहर मुद्दे पर अपना वादा पूरा करेगी। पाकिस्तानी सरकार ने ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव के तहत 3.3 अरब डॉलर की लागत से छह नहरों का निर्माण करने की योजना बनाई है, जिससे दक्षिण पंजाब में 12 लाख एकड़ कथित बंजर भूमि को सिंचित किया जाएगा। हालांकि, सिंध प्रांत ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। सिंध सरकार और प्रांत को को आशंका है कि इन नहरों के निर्माण से सिंधु नदी से उसके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

जेल में बंद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बढ़ी, एक और घोटाला, मुकदमा दर्ज

एजेंसी

काठमांडू। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्सा जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्र ने कहा कि घोटाला को लेकर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने सहित कुल 30 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। एसपी मिश्र ने बताया कि इस चार्जशीट में को-ऑपरेटिव बैंक में कुल 112.65 करोड़ रुपये की अनियमितता का प्रमाण दिया गया है। रवि लामिछाने

पर पहले से ही चार अलग-अलग जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ यह पांचवां केस दर्ज हुआ है। रवि लामिछाने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है।

पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था। ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की

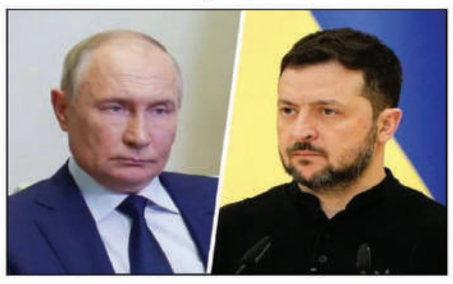

अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए। रुबियो ने मीट द प्रेस के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले तीन सालों की तुलना में रूस और यूक्रेन आम तौर पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

पुलिस के साथ हड़ताली शिक्षकों की हिंसक झड़प, 63 शिक्षक घायल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में पिछले 27 दिनों से सड़क पर आंदोलन कर रहे शिक्षकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प होने से 63 शिक्षक घायल हो गए हैं। बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास कर रहे हड़ताली शिक्षकों पर पुलिस लाठीचार्ज किए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच टकराव हुआ। नया बानेश्वर क्षेत्र में शिक्षकों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन हिंसक हो गया। पुलिस के साथ यह टकराव तब हुआ जब शिक्षकों ने एक प्रतिबंधित क्षेत्र में जबरन प्रवेश की कोशिश की और बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार के साथ लाठीचार्ज किया। जवाब में नाराज प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे स्थिति तनावग्रस्त बन गई। नेपाल शिक्षक महासंघ के महासचिव तुला बहादुर थापा ने बताया कि पुलिस के साथ झड़प में 63 शिक्षक घायल हुए हैं। इनमें करीब एक दर्जन से अधिक शिक्षकों की अवस्था गंभीर बताई गई

है। थापा के मुताबिक घायल शिक्षकों को पास के ही सिविल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया। सामान्य रूप से घायल शिक्षकों का सड़क पर ही उपचार किया गया। इसी बीच शिक्षक महासंघ ने आकस्मिक बैठक बुलाई। संगठन के महासचिव थापा के मुताबिक उनका आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। हड़ताल पर रहे शिक्षक महासंघ और सरकार के बीच कई चरणों की वार्ता हुई लेकिन सभी बेनतीजा निकली।

पहलगाम आतंकी हमला : 'निष्पक्ष जांच' की पाकिस्तानी मांग का चीन ने किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की ओर से की मांग का समर्थन करते हुए निष्पक्ष जांच की वकालत की है। लगातार पाकिस्तान की ओर से भी इसे लेकर दलील पेश की जा रही है। वह डिमांड कर रहा है कि इसकी जांच भारत-पाक नहीं बल्कि तीसरे पक्ष के तौर पर अंतरराष्ट्रीय समिति करे। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 निहत्थे लोगों की हत्या कर दी गई थी। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से फोन पर बात कर समर्थन दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन, कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और निष्पक्ष जांच

की शीघ्र शुरुआत का समर्थन करता है। वह उम्मीद करता है कि दोनों पक्ष संयम बरतेंगे, एक-दूसरे की ओर बढ़ेंगे और तनाव कम करने के लिए काम करेंगे। वांग ने कहा कि आतंकवाद से लड़ना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है और चीन लगातार पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत दोस्त और हर मौसम में रणनीतिक सहयोगी साझेदार के तौर पर चीन पाकिस्तान की वैध सुरक्षा चिंताओं को पूरी तरह समझता है और उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों को बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी बताया कि इशाक डार ने वांग यी को वर्तमान क्षेत्रीय स्थिति के बारे में जानकारी दी। डार ने चीन के निरंतर और अटूट समर्थन की प्रशंसा की और सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग सुदृढ़ करने में पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। चीन की ओर से यह समर्थन शहबाज शरीफ के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की 'स्वतंत्र जांच' या निष्पक्ष जांच की मांग की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि ये दोनों देश के बीच का मामला है और वह इस मामले में हस्तक्षेप करने का इरादा नहीं रखते हैं।

लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग पर हमले को लेकर पाकिस्तान ने उठाई आवाज, ब्रिटिश सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त डॉ मोहम्मद फैसल ने लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग पर हुए हमले को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे को औपचारिक रूप से ब्रिटिश विदेश कार्यालय के समक्ष उठाया गया है। डॉ फैसल ने एक बयान जारी कर कहा कि किसी भी देश के राजनयिक मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेजबान देश यानी ब्रिटेन की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि हमलावर बड़े पत्थर लेकर आए थे और उच्चायोग के चांसरी कार्यालय को नुकसान पहुंचाया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अब तक हमलावरों की पहचान उजागर नहीं कर पाई है। उच्चायुक्त ने इस हमले को अत्यंत गंभीर चिंता का विषय बताते हुए ब्रिटिश सरकार से आग्रह किया कि हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक सुरक्षा से जुड़े प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर रही है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ब्रिटिश अधिकारियों ने फिलहाल घटना की जांच शुरू कर दी है और उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ उगल रहा जहर

एजेंसी

इस्लामाबाद। खालिस्तान समर्थक और 'सिख फॉर जस्टिस'संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत 'सिख फॉर जस्टिस' को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के 'एआरवाई न्यूज' चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह

पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या कराने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में क्लिंटन की भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया।उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया। पन्नू के पिता महिंदर सिंह पंजाब मार्केटिंग बोर्ड के सचिव रह चुके हैं। पन्नू के एक भाई और एक बहन हैं। 1990 के दशक में पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। साल 1991-92 वे पन्नू अमेरिका चला गया। वहां एमबीए किया और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। साल 2007 में पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस की स्थापना की।संगठन का पंजीकृत कार्यालय अमेरिका के वॉशिंगटन में है। पन्नू न्यूयॉर्क के ऑफिस से काम करता है। वहां उसकी लॉ फर्म भी है।

वैंकूवर फिलिपिनो फेस्टिवल में भीड़ में घुसी कार, 11 लोगों की मौत

एजेंसी

वैंकूवर। कनाडा के वैंकूवर शहर में फिलिपीनो विरासत महोत्सव के दौरान देर रात हुए भीषण हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एक व्यक्ति ने अपनी काली ऑडी एसयूवी से भीड़ में घुसकर 11 लोगों की जान ले ली, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घटना में आतंकवादी हमले की आशंका से इनकार करते हुए कहा है कि आरोपित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित रहा है। यह हादसा रात करीब 8 बजे लापू लापू डे महोत्सव के दौरान उस समय हुआ, जब लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपित ने पहले धीरे-धीरे बैरिकेड को पार किया और फिर अचानक तेजी से वाहन दौड़ाते हुए लोगों को कुचल दिया। वैंकूवर पुलिस के अंतरिम प्रमुख स्टीव राय ने प्रेस वार्ता में कहा, यह वैंकूवर के इतिहास का सबसे काला दिन है। उन्होंने बताया

कि आरोपित का मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में पहले भी पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों से संपर्क रहा है। महोत्सव में अपना स्टॉल लगाने आए क्रिस पांगिलिनन ने बताया कि उन्होंने वाहन को बैरिकेड पार करते देखा। पहले वह धीमा चला, फिर अचानक जोर से एक्सिलरेटर दबाया, उन्होंने कहा। शरीर हवा में ऐसे उड़ रहे थे जैसे बॉलिंग गेंद से पिंस उड़ते हैं। यह दृश्य कभी नहीं भूल पाएंगे।पांगिलिनन ने कहा कि घटना के बाद के दृश्य बेहद भयावह थे। एक संकरी गली में जहां खाद्य स्टॉल लगे थे, वहां मृत और घायल लोग बिखरे पड़े थे। हमले में इस्तेमाल वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाया गया।

सहकारी घोटाले की आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने सहकारी घोटाले के एक मामले में आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया राई को बीती रात गिरफ्तार कर लिया।

संसद को इसकी औपचारिक जानकारी दी गई है। सीआईबी ने काठमांडू में स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक में हुए 265 करोड़ रूपये के घोटाले में सांसद राई की संलग्नता की पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। बीती रात को उनके निवास से ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि आठ महीने से फरार की सूची में रही नेपाल कांग्रेस की सांसद माया राई को गिरफ्तार कर इसकी जानकारी संसद सचिवालय को दे दी गई है। सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर देवराज घिमिरे ने पुलिस द्वारा सांसद राई को गिरफ्तार किए जाने की औपचारिक जानकारी दी। फिलहाल गिरफ्तार सांसद राई को जिला अदालत काठमांडू में पेश कर उनसे पूछताछ करने के लिए आठ दिनों की कस्टडी मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत में इस संबंध में चार्जशीट दायर होने के बाद से ही सांसद राई की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

अलविदा पोप फ्रांसिस...बेसिलिका डी सांता मारिया मैगीगोर में दी गई अंतिम विदाई

एजेंसी

सना। यमन की हूती-नियंत्रित राजधानी सना पर हाल में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में आठ लोगों की मौत हो गई। हूती-संचालित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने एक बयान में यह जानकारी साझा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस हमले में दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। उत्तरी सना के बानी अल-हरिथ जिले में अमेरिकी लड़ाकू विमानों की बमबारी में तीन घरों के मलबों में दबे लोगों की तलाश बचाव दल द्वारा की जा रही है। एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि पूरे उत्तरी यमन में राजधानी सहित कई स्थानों पर लगभग 20 अमेरिकी हवाई हमले किए गए। दावा किया गया कि इस हवाई हमले में दक्षिणी और उत्तरी सना में दो घरों को निशाना बनाया गया था, जिसमें कथित तौर पर दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पहले कहा था कि हूती नेतृत्व को टारगेट करने के उद्देश्य से यह हमला था। 15 मार्च को वाशिंगटन की ओर से यमन में हूती ठिकानों पर हवाई

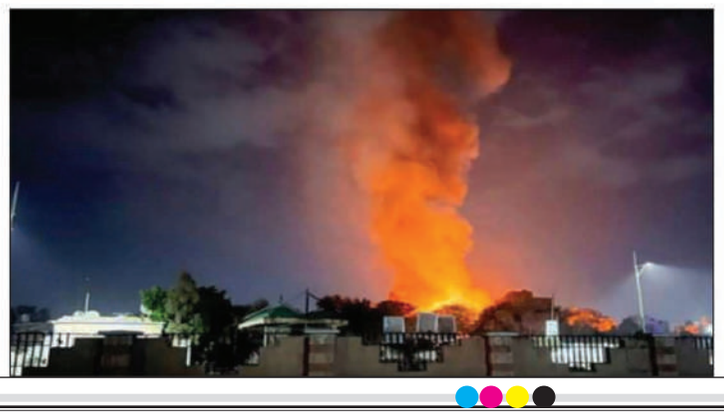

हमले फिर से शुरू करने के बाद से हूती समूह और अमेरिकी सेना के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया है।

इन हमलों का उद्देश्य हूती विद्रोहियों को लाल सागर और अरब सागर में इजरायल और अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग को निशाना बनाने से रोकना था। इससे पहले, हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यमन की हूती-नियंत्रित राजधानी सना पर रात को अमेरिकी हवाई हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सना में कई जगहों पर हमले किए गए। घायलों में दो महिलाएं और तीन बच्चे भी शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया।

हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने कई उत्तरी प्रांतों में अतिरिक्त हमले किए। तीन अमेरिकी हमलों में गैलेक्सी लीडर नामक मालवाहक जहाज को भी निशाना बनाया गया था जो हूती समूह के नवंबर 2023 में इजरायल से जुड़े लाल सागर शिपिंग पर हमलों के दौरान जब्त किया गया एक मालवाहक जहाज था।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

एजेंसी

गुरुग्राम (हरियाणा)। ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया।यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी।अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी ईगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं। हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं।

9 के 9 राउंड जीतकर मैगनस कार्लसन बने ग्रेनके फ्री स्टाइल शतरंज के विजेता

कार्ल्सरुए, जर्मनी। दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और पाँच बार के क्लासिकल विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन नें एक और इतिहास बनाते हुए अब फ्रीस्टाइल फॉर्मेट में सम्पन्न हुए ग्रेनके इंटरनेशनल शतरंज का खिताब एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए अपने नाम कर लिया है । अंतिम नौवे राउंड में उन्होने जर्मनी के विन्सेंट केमर को पराजित करते हुए अपनी लगातार 9वीं जीत दर्ज की। फ्री स्टाइल शतरंज का एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें शतरंज के मोहोरो की शुरुआती स्थिति को बदल दिया जाता है और इस फॉर्मेट में खुद को ढालना बड़े बड़े खिलाड़ियों के लिए मुश्किल हो रहा है ऐसे में कार्लसन का सभी मुक़ाबले जीतकर खिताब जीतना अविसश्वसनीय है । कार्लसन जहां 9 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे तो दूसरे से लेकर आठवे स्थान तक सभी खिलाड़ी सिर्फ 7 अंक ही बना सके और उनमें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान के परहम मघसूदलू , रूस के आन्द्रे इसीपेंकों, जर्मनी के स्वाने फ़्रेडरिक, यूएसए के दोमिंगेज पेरेज, सर्बिया के अलेक्सी सराना, भारत के अर्जुन एरीगैसी, यूएसए के फबियानों करूआना क्रमशः दूसरे से आठवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर अजरबैजान के ममेदोव रौफ नौवे और भारत के लियॉन मेंदोसा दसवें स्थान पर रहे ।

भारत की कोनेरु हम्पी नें जीता फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज पुणे का खिताब

पुणे। फीडे महिला ग्रांड प्री के पांचवें पड़ाव का आयोजन पुणे में सफलता पूर्वक हो गया और भारत के लिए गर्व का क्षण तब बना जब भारत की ही वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें शानदार खेल दिखाते हुए यह खिताब अपने नाम कर लिया । हम्पी नें आखिरी राउंड में बुल्गारिया की सलिमोवा नुर्गुयुल को एक लंबे चले हाथी और घोड़े के एंडगेम में पराजित करते हुए 7 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल कर लिया हालांकि हम्पी के साथ चीन की जु जिनर भी 7 अंक बनाने में कामयाब रही उन्होने अंतिम राउंड में रूस की पोलिना शुवालोवा को मात दी पर चूंकि हम्पी नें व्यक्तिगत मुक़ाबले में जिनर को पराजित किया था वह टाईब्रेक में पहले स्थान पर रही और जिनर को उपविजेता के स्थान से संतोष करना पड़ा । हम्पी इस जीत के साथ हम्पी ना सिर्फ ग्रां प्री की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है बल्कि अगले साल होने वाली फीडे कैंडिडेट चैंपियनशिप में उनका स्थान अब लगभग पक्का नजर आ रहा है । उन्होने विश्व रैंकिंग में भी बड़ा सुधार किया है और 2543 रेटिंग के साथ वापस पांचवें स्थान पर पहुंची है । भारत की दिव्या देशमुख भी अपने शानदार खेल के चलते 5.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही , दिव्या नें अंतिम राउंड में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया से ड्रॉ खेला । दिव्या के लिए यह ग्रां प्री में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा ।

सुपरबेट रैपिड शतरंज : दो जीत से प्रज्ञानन्दा की शुरुआत

वारशॉ , पोलैंड । भारतीय शतरंज जगत के चमकते सितारे और भविष्य की बड़ी उम्मीद आर प्रज्ञानन्दा और अरविंद चितांबरम इस समय दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ ग्रांड चैस टूर 2025 के पहले पड़ाव सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज में भाग ले रहे है और पहले दिन रैपिड के तीन मुकाबलों के बाद प्रज्ञानन्दा 2 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है । प्रज्ञानन्दा नें दिन की शुरुआत फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी मकसीम लागरेव को पराजित करते हुए की और उसके बाद हमवतन अरविंद चितांबरम के खिलाफ एक बेहतर लग रही बाजी पहले हारने के करीब पहुंचे और फिर वापस उसे जीतने में सफल रहे जबकि दिन के आखिरी मुक़ाबले में उन्हे रोमानिया के बोगदान डेनियल से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा । फिलहाल सर्बिया के व्लादिमीर फेडोसीव 2.5 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रहे है । भारत के अरविंद चितांबरम जिन्होने पहले राउंड में बोगदान डेनियल से ड्रॉ खेला और दूसरे मुक़ाबले में प्रज्ञानन्दा से उन्हे हार मिली।

बुंदेसलीगा: हैरी केन निर्णायक मुकाबले से बाहर, लेकिन जल्द मना सकते हैं जीत का जश्न

एजेंसी

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन जहां भी खेलते हैं, गोल करने के रिकॉर्ड तोड़ते नजर आते हैं। इंग्लैंड राष्ट्रीय टीम हो, टोटेनहम हॉटस्पर या फिर अब बायर्न म्यूनिख –31 वर्षीय केन ने खुद को एक अजेय गोल मशीन के रूप में स्थापित किया है। हालांकि, उनके करियर पर एक दुखद साया भी है, 16 साल और 500 से ज्यादा पेशेवर मुकाबले खेलने के बावजूद, अब तक वह कोई बड़ा खिताब जीतने में असफल रहे हैं।

खिताब जीतने के लक्ष्य से जुड़े बायर्न म्यूनिख

इस 'कभी न जीतने वाले' खिलाड़ी की छवि से बाहर निकलने के लिए केन ने पिछले साल जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख का दामन थामा था।हालांकि बायर्न इस सीजन में चैंपियंस लीग और जर्मन कप से बाहर हो चुका है, लेकिन बुंदेसलीगा

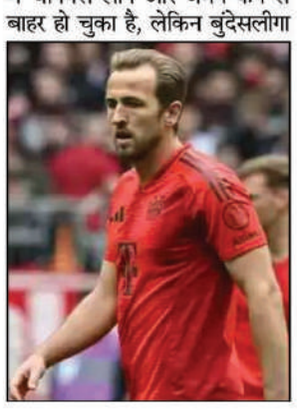

खिताब और 2025 फीफा क्लब वर्ल्ड कप उनके सामने उपलब्ध विकल्प हैं। बायर्न फिलहाल लीग में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए आठ अंकों की मजबूत बढ़त बनाए हुए है, जिससे उनका चैंपियन बनना लगभग तय माना जा रहा है।

निलंबन से लगा झटका

बायर्न की माइन्ज पर 3-0 की जीत के दौरान केन को पहले हाफ में गेंद रोकने के लिए पीला कार्ड दिखाया गया, जो इस सीजन का उनका पांचवां कार्ड था।

बुंदेसलीगा के नियमों के अनुसार, अब केन एक मुकाबले के लिए सस्पेंड हो गए हैं और वे आरबी लीपज़िग के खिलाफ अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। केन ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, यह शायद मेरी कहानी का हिस्सा होगा कि मैं लीपज़िग का मुकाबला मिस करूंगा। लेकिन अगर हम खिताब जीतते हैं, तो मैं सबसे ज्यादा जश्न मनाऊंगा। टीम साथी थॉमस मुलर ने बताया, ड्रेसिंग रूम में वह काफी निराश दिखे।

नियमों पर उठाए सवाल

केन ने जर्मन नियमों की आलोचना करते हुए कहा, यह पागलपन है कि मुझे एक ऐसे मुकाबले में निलंबित किया गया, जबकि मेरा पहला पीला कार्ड सीजन के पहले मैच में आया था। नियमों को प्रीमियर लीग की तरह बदला जाना चाहिए। मुलर ने भी रेफरी की संवेदनशीलता की कमी पर सवाल उठाए, जबकि जर्मन मीडिया ने केन को नियमों से अवगत रहने की सलाह दी। केन ने कहा, यह कतई पीला कार्ड नहीं था, और जोड़ा, कुछ लोग हमारे एरिना में ध्यान आकर्षित करने के लिए आते हैं। रेफरी आयुक्त मार्को फ्रिट्ज ने रेफरी के फैसले को नियमों के अनुरूप 100 प्रतिशत सही बताया, हालांकि उन्होंने सख्ती और विवेक के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी मानी।

नाहन के नमन भटनागर ने काठमांडू में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नाहन। हिमाचल प्रदेश का एक छोटा सा शहर, जहां की गलियों में बड़े सपने पलते हैं। इन्हीं सपनों में से एक सपना था टेबल टेनिस की दुनिया में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने का। 17 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी नमन भटनागर अपने सपनों को साकार करने की राह पर है।नमन की प्रारम्भिक शिक्षा नाहन में हुई और अब वो अपने अभिभावकों के साथ धर्मशाला में रहता है।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित टेबल टेनिस की दक्षिण एशियाई युथ चैंपियनशिप में नमन ने इतिहास रच दिया। अंडर-19 पुरुष डबल्स मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाड़ी सुरेश राजपर्श के साथ जोड़ी बनाकर नमन ने शानदार प्रदर्शन किया और मेजबान नेपाल के खिलाड़ियों को फाइनल में 3-1 से पराजित कर स्वर्ण पदक भारत के नाम किया।यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि यह नमन का अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहला गोल्ड मेडल है। इससे पहले नमन ने मिस्र में आयोजित वर्ल्ड टेबल टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-15 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। शुरुआती पढ़ाई नाहन के कार्मल कॉन्वेंट स्कूल से करने के बाद नमन ने खेल में बेहतर अवसरों के लिए बाहर का रुख किया। आज वह खेलो इंडिया नगरोटा अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। अंडर-15 श्रेणी में भारत में छठी और विश्व में 47 वीं रैंक हासिल करने वाला यह खिलाड़ी अब अंडर-19 वर्ग में भी देश का नाम रौशन कर रहा है। नमन के माता-पिता शिक्षा जगत से जुड़े रहे हैं। पिता विकास भटनागर वर्तमान में धर्मशाला में जेल अधीक्षक हैं और माता दुर्गेश भटनागर एक स्कूल लेक्चरर हैं।

आईपीएल 2025: विराट कोहली ने हासिल की ऑरेंज कैप, सूर्याकुमार यादव को पछाड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

ऑरेंज कैप दो बार बदली। पहले मुंबई इंडियंस के सूर्याकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के बी साई सुधर्शन को पछाड़ा। सूर्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 28 गेंदों में 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर 417 रन बनाने वाले साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 427 रन तक पहुंच गए थे। हालांकि, दिन का दूसरा मुकाबला आते-आते सूर्या की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 51 रन बनाए और कुल 443 रन के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। अब साई सुदर्शन के पास सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर टॉप पर लौटने का मौका रहेगा।

टॉप-5 बल्लेबाज

विराट कोहली - 443 रन
सूर्याकुमार यादव - 427 रन
बी साई सुदर्शन - 417 रन
निकोलस पूरन- 404 रन

मिशेल मार्श - 378 रन

पर्पल कैप की रेस में जोश हेजलवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेजलवुड अब पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनके दस मैचों में कुल 18 विकेट हो गए हैं।

टॉप-5 गेंदबाज

जोश हेजलवुड (आरसीबी) - 18 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा (जीटी) - 16 विकेट
नूर अहमद (सीएसके) - 14 विकेट
ट्रेंट बोल्ट (एमआई) - 13 विकेट
क्रुणाल पांड्या (आरसीबी) और हर्षल पटेल (एसआरएच) - 13-13 विकेट।

लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5-1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब

एजेंसी

लिवरपूल। लिवरपूल ने एनफील्ड में टोटनहम को 5-1 से करारी शिकस्त देकर प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया और इंग्लिश टॉप-फ्लाइट फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के 20 खिताबों की बराबरी कर ली। आर्ने स्लॉट की टीम ने शुरुआती झटका खाने के बाद जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा।

60,000 से अधिक दर्शकों की गूंज के बीच मुकाबला शुरू हुआ। शुरुआती हमलों के बावजूद लिवरपूल को 12वें मिनट में झटका लगा, जब डोमिनिक सोलांके ने जेम्स मैडिसन के कॉर्नर से शानदार हेडर लगाकर टोटनहम को बढ़त दिला दी। लेकिन लिवरपूल ने महज चार मिनट बाद लुईस डियाज़ के गोल से बराबरी हासिल कर ली, जिसे वीएआर ने मंजूरी दी। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने 24वें मिनट में शानदार गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। फिर कोडी गाकपो ने तीसरा गोल दागकर टोटनहम की मुश्किलें बढ़ा दीं।

दूसरे हाफ में लिवरपूल का जलवा, सालाह का सेल्फी सेलिब्रेशन

दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने अपना दबदबा कायम रखा। टॉप स्कोरर मोहम्मद सालाह ने डोमिनिक सोबोस्लाई के पास पर शानदार गोल

दागा और उसके बाद एक फैन का फोन लेकर 'कॉप एंड' के सामने सेल्फी ली, जिससे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई।लगातार गूंजते नारों वी आर गोइंग टू विन द लीग और वी शैल नॉट बी मूव्ड ने माहौल को और खास बना दिया। 70वें मिनट में टोटनहम के डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल की बढ़त 5-1 कर दी और मुकाबला पूरी तरह एकतरफा हो गया।

फैन्स ने मुकाबले से पहले एनफील्ड के बाहर लिवरपूल 20 टाइम चैंपियंस के झंडे और स्कार्फ्स लहराए। कोविड के कारण 2020 में जश्न नहीं मना सके लिवरपूल फैन्स ने इस बार खिताबी जीत का भरपूर आनंद उठाया।

राजस्थान के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म, शेन बॉन्ड बोले- अब भी बहुत कुछ दांव पर

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स की हालत बेहद नाजुक हो गई है। नौ में से केवल दो मैच जीतकर टीम अंकतालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है। हालांकि अब भी गणितीय तौर पर प्लेऑफ की उम्मीद बची है, लेकिन गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने माना कि इस सीजन में टीम के लिए आगे का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है। बावजूद इसके उन्होंने भरोसा दिलाया कि बचे हुए पांच लीग मैचों में टीम और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान रॉयल्स ने हाल के कुछ मुकाबले बेहद करीबी अंतर से गंवाए हैं। शेन बॉन्ड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे कठिन बात यह है कि हम लगभग 35 ओवरों तक मैच पर नियंत्रण में रहे, लेकिन आखिरी पलों में विपक्षी टीमें हमसे बेहतर साबित हुईं। अगर आप अंकतालिका देखें तो हम सोचते हैं कि हम कहां हो सकते थे, लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, शायद अब हम टूर्नामेंट से बाहर हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ दांव पर है। टीम के लिए सीजन को मजबूती से खत्म करना और व्यक्तिगत तौर पर भविष्य के लिए खुद को साबित करना जरूरी है।इस सीजन में राजस्थान की मुश्किलें कई मोर्चों पर रही हैं।

कप्तान संजू सैमसन चोट के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, जिसकी वजह से 22 वर्षीय रियान पराग को कप्तानी संभालनी पड़ी और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग करनी पड़ी। हालांकि वैभव ने अपने हुनर की झलक दिखाई, लेकिन बाकी बल्लेबाजों की असंगत प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया। राजस्थान अब तक पांच बार लक्ष्य का पीछा करते हुए हार चुका है। पावरप्ले में सबसे तेज रन बनाने के बावजूद, टीम मिडिल और डेथ ओवर्स में रन गति बनाए रखने में असफल रही है। स्पिनर्स का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा, जिनकी इकॉनमी रेट (9.16) और स्ट्राइक रेट (23) लीग में सबसे खराब में शामिल हैं। बॉन्ड ने अपनी गेंदबाजी इकाई का बचाव करते हुए कहा, हाल के तीन मैचों में हमने विपक्षी टीमों को ऐसे स्कोर पर रोका जिसे हम आसानी से चेज़ कर सकते थे। हमने मौके गंवाए, खासकर बल्लेबाजी में। जोफ्रा आर्चर ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उतनी नियमितता से विकेट नहीं निकाल पाए जितनी गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा ने। वहीं तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा भी निर्णायक क्षणों में प्रभावी साबित नहीं हो पाए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को होने वाला मुकाबला राजस्थान के लिए 'करो या मरो' जैसा होगा। हारने पर प्लेऑफ की आखिरी उम्मीद भी टूट जाएगी, लेकिन जीतने पर टीम कुछ समय के लिए दौड़ में बनी रह सकती है।

द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप का भव्य समापन, भारत बना स्वर्ण पदक विजेता

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी स्टेडियम (नई दिल्ली) में आयोजित द्वितीय एशियाई योगासन खेल चैम्पियनशिप का भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ। तीन दिवसीय इस आयोजन में बीस एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने योगासन में अपने अद्वितीय कौशल, शक्ति और अनुशासन का प्रदर्शन किया। यह सफल आयोजन योगासन भारत और एशियन योगासन द्वारा आयुष मंत्रालय, युवा मामलों और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार के सहयोग से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने आयोजकों की सराहना करते हुए योगासन को वैश्विक खेल मानचित्र पर स्थापित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर योगासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो मान्यता मिल रही है, वह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का गौरव बढ़ा रही है। समारोह में योग गुरु स्वामी रामदेव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव, संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया तथा राज्य मंत्री रक्षाखडसे समेत कई गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीतकर योगासन खेलों में अपना वर्चस्व स्थापित किया। जापान ने दूसरा और मंगोलिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईपीएल 2025: बेंगलुरु ने दिल्ली को 6 विकेट से हराया, क्रुणाल-कोहली ने खेली दमदार पारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ आरसीबी अंक तालिका में 14 प्वाइंट के संग पहले नंबर पर भी पहुंच गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में आरसीबी ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। बेंगलुरु ने 19वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं थी। 26 के स्कोर पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए। अक्षर पटेल ने जैकब बेथेल (12) और देवदत्त पडिक्कल (0) को अना शिकार बनाया। वहीं, करुण नायर ने कप्तान रजत पाटीदार को रनआउट कर आरसीबी को तीसरा झटका दिया। इसके बाद विराट कोहली और क्रुणाल पांड्या ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट

के लिए 119 रन की साझेदारी हुई, जो आरसीबी की किसी भी जोड़ी के द्वारा निभाई गई सबसे बड़ी पार्टनरशिप है और चौथे विकेट के लिए इस सत्र की सबसे बड़ी साझेदारी भी है। दोनों ने दिल्ली के गेंदबाजों पर शिकंजा कसते हुए आरसीबी को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान क्रुणाल पांड्या ने 38 गेंदों में अपने करियर का दूसरा अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 2016 में पचासा जड़ा था। वह 47 गेंदों में 73 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, विराट कोहली ने इस आईपीएल सीजन का छठा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 45 गेंदों में 4 चौके की मदद से 51 रनों की अहम पारी खेली। आखिर में टिम डेविड ने पांच गेंदों में 19 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। दिल्ली के लिए कप्तान अक्षर पटेल को दो सफलता मिली, जबकि दुष्मंथा चमीरा ने विकेट चटकाया। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरुआत ठीक ही रही। अभिषेक पोरेल और फाफ डु प्लेसिस के बीच पहले विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। हेजलवुड ने पोरेल को 28 रन के निजी योग पर आउट किया। इसके बाद यश दयाल ने तीसरे नंबर पर आए करुण नायर को पवेलियन लौटा दिया। वह सिर्फ चार रन बना सके। उनके अलावा केएल राहुल ने तीन चौके की मदद से 41 रन बनाए, जबकि स्टब्स ने 188.88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 34 रन बनाए। कप्तान अक्षर पटेल ने 15, आशुतोष शर्मा ने दो और विप्रज निगम ने 12 रन बनाए। वहीं, मिचेल स्टार्क और दुष्मंथा चमीरा खाता खोले बिना नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिए, जबकि हेजलवुड को दो विकेट मिले। इसके अलावा यश दयाल और क्रुणाल पांड्या को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान के रूप में सभी कसौटियों पर खरे उतर रहे हैं पंत, लेकिन... : जहीर खान

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटोर जहीर खान का मानना है कि ऋषभ पंत एक कप्तान के रूप में सभी सही कसौटियों पर खरे उतर रहे हैं लेकिन इस आईपीएल में खराब स्कोर से उबरने के लिए बल्ले से कुछ खास करने की जरूरत है। पंत का इस आईपीएल में बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 110 रन में बनाए हैं जिसमें वह छह बार इकाई अंक पर आउट हुए। उनकी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 63 रन की पारी ही शानदार रही। पंत मुंबई इंडियंस से मिली 54 रन की हार के दौरान कामचलाऊ स्पिनर विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए। जहीर ने वानखेड़े स्टेडियम में रूल की हार के बाद मीडिया से कहा, मैं इसे किसी भी चीज से नहीं जोड़ूंगा। वह एक नेतृत्वकर्ता हैं और इस भूमिका में वह शानदार रहे हैं।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 45वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रनों के बड़े अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट पर 215 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 161 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे टीम को 54 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में नंबर 2 पर पहुंच गई है। मुंबई के 10 मैचों में 6 जीत और 4 हार के साथ 12 अंक है। वहीं लखनऊ की टीम 10 मैचों में 5 में जीत और 5 हार के साथ नंबर 6 पर है। उसके 10 अंक

है बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद निकोलस पूरन भी 15 गेंदों पर 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम के कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर नहीं चले। वे चार रन बनाकर आउट हुए। मिचेल मार्श ने कुछ देर क्रीज पर समय बिताया। हालांकि उनकी पारी भी 12वें ओवर में थम गई। मार्श 24 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे डेविड मिलर ने आयुष बडोनी के साथ पारी को आगे बढ़ाया। बडोनी 35 रन और मिलर 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लखनऊ के बल्लेबाजों के एक के बाद विकेट गिरते रहा। पूरी टीम 20 में 161 रन ही बना सकी। अब्दुल समद 2, रवि बिश्नोई 13 रन, दिग्वेश राठी एक रन, आवेश खान खाता भी नहीं खोल पाए। प्रिंस यादव ने नाबाद 4 रन बनाए। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4, ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट लिए, विल जैक्स को दो और के बॉश को एक विकेट मिला।

जीआईपीकेएल : तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगू चीता और भोजपुरी लेपर्डेस सेमीफाइनल में

एजेंसी

गुरुग्राम। तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगू चीता और भोजपुरी लेपर्डेस ने गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) के महिला सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।महिला वर्ग में लीग चरण समाप्त हो गया। महिला सेमीफाइनल मुकाबले मंगलवार को खेले जाएंगे। जीआईपीकेएल भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार लोकप्रिय हो रही है, जिसकी झलक न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर डिजिटल कैंपेन के जरिये देखने को मिली, जिससे भारत के इस स्वदेशी खेल को वैश्विक पहचान मिली। जीआईपीकेएल का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। जीआईपीकेएल चैंपियनशिप ट्रॉफी लीग में सर्वोच्चता का प्रतीक है, जो प्रतियोगिता में अतिरिक्त रोमांच जोड़ती है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के विजेता घोषित किए जाएंगे, लेकिन केवल एक टीम को भव्य चैंपियनशिप ट्रॉफी उठाने का गौरव प्राप्त होगा।खेले गए पहले मुकाबले में मराठी फाल्कन्स ने रोमांचक मुकाबले में पंजाबी टाइग्रेस को 33-28 से हराया। दोनों टीमों ने बेहतरीन रेडिंग की, जहां फाल्कन्स ने 20 रेड अंक और टाइग्रेस ने 19

रेड अंक हासिल किए। मराठी फाल्कन्स का मजबूत डिफेंस, जिसमें 11 टैकल अंक और दो सुपर टैकल शामिल थे, निर्णायक साबित हुआ। पंजाबी टाइग्रेस ने जोरदार मुकाबला किया, लेकिन फाल्कन्स ने धैर्य बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में तेलुगू चीता ने हरयाणवी ईगल्स को एकतरफा मुकाबले में 43-14 से हरा दिया। चीता ने 25 रेड अंक और 12 टैकल अंक हासिल करते हुए छह बार ऑलआउट किया और मैच पर अपना दबदबा कायम रखा। हरयाणवी ईगल्स तालमेल बिठाने में संघर्ष करती रही और केवल 10 रेड अंक व 4 टैकल अंक ही जुटा सकी, जिससे तेलुगू चीता ने बड़ी और दमदार जीत दर्ज की। तीसरे और अंतिम लीग मुकाबले में तमिल लायनेस ने भोजपुरी लेपर्डेस को 34-21 से पराजित किया। लायनेस ने 20 रेड अंक के साथ रेडिंग में दबदबा बनाया और 10 टैकल अंकों के साथ मजबूत डिफेंस भी दिखाया। उन्होंने मैच के दौरान चार ऑलआउट किए और पूरे खेल में नियंत्रण बनाए रखा। भोजपुरी लेपर्डेस ने संघर्ष किया और दो ऑलआउट अंक भी हासिल किए, लेकिन तमिल लायनेस की सर्वांगीण श्रेष्ठता के सामने टिक नहीं पाई।

पहलगाम अटैक के बाद बॉलीवुड सिंगर्स का बड़ा फैसला,

श्रेया घोषाल

से अरिजीत सिंह तक ने कैंसल किए कॉन्सर्ट

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद से तनाव की स्थिति देखने को मिल रही है. भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अब फिर से एक बार पटरी से उतर गए हैं. भारत में इस टेरर अटैक का पुरजोर विरोध देखने को मिल रहा है. अब बॉलीवुड के एक्टर्स के बाद इंडस्ट्री के म्यूजिशियन्स और सिंगर्स ने भी इस घटना का विरोध किया है और अपने तरीके से शोक व्यक्त किया है. बीते दिनों कई सारे सिंगर्स ने पहलगाम अटैक के बाद से बड़ा निर्णय लिया है और अपने शोज कैंसल कर दिए हैं. इस दुख की घड़ी में कोई भी उत्सव नहीं मनाना चाहता है. इन सिंगर्स में अरिजीत सिंह से लेकर श्रेया घोषाल तक का नाम शामिल है.

रैपर एपी ढिल्लों ने रद्द किया एल्बम लॉन्च

22 अप्रैल 2025 का दिन देश के इतिहास में काला दिन साबित हुआ. इस दिन इंसानियत शर्मशार हुई. कुछ आतंकवादियों ने अचानक पहलगाम के पर्यटकों पर हमला बोल दिया और उनका धर्म पूछकर गोली मारी. इस हादसे के बाद से कश्मीर में वापस लौट रही खुशहाली एक बार फिर से मातम में बदल गई. ऑफिशियल आकड़ों की मानें तो हमले में 28 बेकुसूरों की जान चली गई. इसके बाद से शोक व्यक्त करते हुए सिंगर एपी ढिल्लों ने अपना एल्बम लॉन्च रद्द कर दिया. उन्होंने सोशल मीडिया पर नोट शेयर करते हुए लिखा- पहलगाम में मारे गए बेकुसूर लोगों के सम्मान में मैं आने वाली नोटिस तक अपना एल्बम रिलीज पोस्टपोन करता हूं. जो लोग भी इसमें प्रभावित हुए हैं उनके लिए मेरी संवेदनाएं हैं.

कैंसल हुए श्रेया घोषाल-अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट्स

पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंदौर स्टेडियम में शनिवार के दिन सिंगर श्रेया घोषाल का 'ऑल हार्ट टूर' कॉन्सर्ट होना था जिसे इस हादसे के बाद कैंसल कर दिया गया. श्रेया ने इसपर स्टेटमेंट जारी करते हुए लिखा- हाल में हुए भयावह इंसिडेंट के बाद से ऑर्गेनाइजर्स और आर्टिस्ट्स ने मिलकर ये फैसला लिया है कि वे आगामी कॉन्सर्ट को कैंसल कर रहे हैं. ये शो 26 अप्रैल 2025 को शनिवार के दिन सूरत में होना था. जिन लोगों का टिकट्स का पैसा लगा है उन्हें फुल रिफंड मिल जाएगा.

अंदाज अपना अपना की स्क्रीनिंग से आमिर ने बनाई दूरी

इसके अलावा फेमस सिंगर अरिजीत सिंह का बड़ा कॉन्सर्ट चेन्नई में रविवार 27 अप्रैल 2025 के दिन होने वाला था. लेकिन पहलगाम घटना का हवाला देते हुए ये कॉन्सर्ट भी रद्द कर दिया गया. वहीं साउथ फिल्मों के नामी म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर के साथ भी ऐसा ही देखने को मिला. उन्होंने बेंग्लुरु में होने वाला अपना हुकुम टूर भी कैंसल कर दिया. वहीं बॉलीवुड सिंगर पापोन ने भी 26 अप्रैल 2025 को होने वाला अपना अहमदाबाद का शो रद्द कर दिया. इसके अलावा बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने भी लाइमलाइट से दूरी बना ली. उन्होंने अंदाज अपना अपना फिल्म के रीरिलीज की स्पेशल स्क्रीनिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई.

शाहरुख ने कुछ समय के लिए मन्नत क्या छोड़ा इन लोगों को हो गया भारी नुकसान, लगी लाखों की चपत

शाहरुख खान देश के ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है. आज वे देश के सबसे कामियाब एक्टर्स में से एक माने जाते हैं. सुपरस्टार की पॉपुलैरिटी सिर्फ भारत में ही नहीं है बल्कि भारत के बाहर भी है. शाहरुख खान के घर मन्नत के बाहर उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की लाइन लगती है. इतनी भीड़ आती है कि पांव जमीन पर रखना भी मुश्किल हो जाता है. लेकिन फिलहाल मन्नत की गलियां सूनी पड़ी हैं. वजह है कि शाहरुख खान अपने परिवार के साथ दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. इस वजह से वहां पर लोगों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली है. और इसका सीधा नुकसान आस-पास के वेंडर्स को भुगतना पड़ रहा है.

आस-पास के वेंडर्स को हो रही तकलीफ

हाल ही में एक सर्वे में सामने आया था कि शाहरुख खान का मन्नत देश की थर्ड मोस्ट फोटोग्राफ्ड प्लेसेज में से एक है. मन्नत में शाहरुख खान काफी समय से अपने परिवार के साथ रह रहे हैं. इस जगह पर उनसे मिलने के लिए, उनकी एक झलक पाने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. लेकिन फिलहाल शाहरुख के मन्नत का रिनोवेशन चल रहा है. इस वजह से वे मौजूदा समय में फैमिली के साथ दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. ऐसे में मन्नत में नजर आने वाला लोगों का भारी हुजूम कम पड़ गया है. इसका सीधा नुकसान वहां पर आस-पास रेड़ी लगाने वाले लोगों पर पड़ रहा है.

शाहरुख नहीं तो मन्नत कुछ नहीं...

एक आइसक्रीम वेंडर ने बातचीत के दौरान बताया कि कुछ दिनों में ही भारी बदलाव हो गया. चूंकि शाहरुख खान हैं नहीं इसलिए ज्यादा लोग नहीं आ रहे हैं. एक दूसरे वेंडर ने कहा कि पहले ऐसा होता था कि लोग आते थे तो अच्छे खासे समय के लिए रुककर भी जाते थे. लेकिन अब जैसे ही लोगों को पता चलता है कि शाहरुख खान मन्नत में नहीं रह रहे हैं तो ऐसे में लोग रुकते भी नहीं हैं और तुरंत चले जाते हैं. लोग टैक्सी और ऑटी को रोकते भी नहीं हैं और बैठे-बैठे ही निकल जाते हैं. शख्स ने कहा कि शाहरुख खान है तो मन्नत है नहीं तो ये जगह कुछ भी नहीं है. शाहरुख की बात करें तो वे अबराम, सुहाना, आर्यन और गौरी खान के साथ बांद्रा के पाली हिल में शिफ्ट हो गए हैं.

सुसाइड या एक्सीडेंट? कैसे हुई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मिशा अग्रवाल की मौत? दोस्त ने बता दी वजह

सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मीशा अग्रवाल ने 24 अप्रैल को दुनिया से अलविदा कह दिया है. इस बात की कंफर्मेशन उनके परिवार की तरफ से मिली है. मीशा कॉमिक कंटेंट बनाने के लिए जानी जाती थी. हालांकि, किसी को ये नहीं पता था कि आखिर वो किस सिचुएशन से गुजर रही हैं. मौत की खबर सामने आने के बाद हर तरफ सिर्फ ये सवाल उठ रहा है कि आखिर अचानक से ऐसा कैसे हो गया, इसी बीच मीशा की फ्रेंड ने एक बड़ा हिंट दिया है.मीशा के बारे में बात करें, तो वो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की रहने वाली थीं. काफी वक्त से मीशा ने सोशल मीडिया पर अपनी कमाल की पहचान बनाई हुई है. यूट्यूब पर मीशा ने साल 2017 पर द माशी अग्रवाल शो के नाम से चैनल शुरू किया था. इंस्टाग्राम पर भी मीशा के अच्छे खासे फॉलोवर्स थे. 26 अप्रैल को मीशा अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली थीं, हालांकि उससे 2 दिन पहले ही उनके परिवार ने उनकी डेथ की खबर दे दी. हालांकि, परिवार की तरफ से मीशा की डेथ की कोई भी वजह नहीं बताई गई थी. लेकिन, मीशा की फ्रेंड मीनाक्षी भेरवान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उनकी डेथ की वजह बताई है.

दोस्त ने स्टोरी की थी शेयर

दरअसल मीनाक्षी ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, कल से ही मुझे कई सारे मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें पूछा जा रहा है कि क्या हुआ. वह अब हमारे साथ नहीं है, और जिस तरह से वह चली गई, उससे हम में से कई लोग बुरी तरह से हिल गए और सभी का दिल टूट गया है. हम में से किसी ने भी यह नहीं देखा कि उसने 4 अप्रैल के बाद से कोई पोस्ट नहीं किया है और ऑनलाइन इतना एक्टिव रहने वाले शख्स के लिए ये बहुत कुछ कहता है. सुबह से ही, मेरा इनबॉक्स हर जगह से आने वाले प्यार से भर गया है, मैं बस यही चाहता हूं कि काश वो इसे देख सकती. उसको ये एहसास नहीं हुआ कि जो कुछ भी वो फील कर रही थी, उसकी जिंदगी उससे कई ज्यादा बड़ी थी. तुम्हारी याद आती है, तुमसे प्यार किया जाता है और मुझे उम्मीद है कि तुम्हें शांति मिली होगी.

मेंटली तौर पर थीं परेशान

मीशा की दोस्त की इस स्टोरी के बाद से ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि मीशा मेंटली तौर पर सही फील नहीं कर रही थीं. हालांकि, उनकी डेथ की पोस्ट में भी कई सारे लोगों ने उनके सुसाइड करने की बात कही है और अब उनकी दोस्त की स्टोरी से भी ये चीज साफ हो रही है. मीशा लॉ की स्टूडेंट थी, हालांकि, पढ़ाई के साथ उन्होंने कंटेंट क्रिएटर के तौर पर भी अपना करियर बनाने की पूरी कोशिश की. हालांकि, वो एक हद तक सफल भी रहीं. इंस्टाग्राम की बात करें, तो उन्हें 3 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं.

भारत छोड़ लंदन शिफ्ट क्यों हुए

विराट-अनुष्का

इस दिग्गज एक्ट्रेस के पति ने खोल दिए सारे राज

बीते करीब एक साल में मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को कई दफा लंदन में देखा गया है. दोनों के लंदन में शिफ्ट होने की अटकलें लगाई जा गईं. वहीं अब दोनों के लंदन में शिफ्ट होने पर मुहर भी लग गई है. बॉलीवुड और क्रिकेट की इस सुपरस्टार जोड़ी के भारत छोड़कर लंदन में सेटल होने का खुलासा किया है दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के पति डॉ श्रीराम नेने ने. साथ ही उन्होंने कपल के भारत छोड़ने की वजह भी बताई है.

भारत छोड़ लंदन शिफ्ट क्यों हुए विराट-अनुष्का ?

अनुष्का और विराट के भारत छोड़कर लंदन में रहने को लेकर श्रीराम नेने ने बड़ा खुलासा किया है. श्रीराम नेने ने एक इंटरव्यू में कहा, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है. हम उनसे कई बार मिल चुके हैं. वो बहुत अच्छे इंसान हैं. मैं आपको कुछ बताऊंगा और यही आपको सीखने को मिलेगा. हमने एक दिन अनुष्का से बातचीत की, और यह बहुत दिलचस्प थी. वो दोनों लंदन जाने के बारे में सोच रहे थे, क्योंकि वो अपनी सफलता का आनंद नहीं ले पा रहे थे इंडिया में. हम उनकी इस परेशानी की तारीफ करते हैं, क्योंकि वो जो कुछ भी करते हैं, वह ध्यान आकर्षित करता है. हम लगभग अलग-थलग पड़ जाते हैं.

बच्चों को सामान्य और साधारण जीवन देना चाहते हैं

अनुष्का और विराट ने ये फैसला अपने दोनों बच्चों को बेहतर परवरिश और सामान्य जीवन देने के लिए भी लिया है. माधुरी के पति और कार्डियक सर्जन डॉ श्रीराम नेने ने आगे बताया, मैं सबके साथ घुल-मिल जाता हूं. मैं काफी बिंदास हूं, लेकिन ये भी चैलेंजिंग हो जाता है. हमेशा एक सेल्फी मोमेंट होता है. ये बुरी तरह से नहीं है, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब आप अपने परिवार के साथ डिनर या लंच पर होते हैं और आपके पास कोई सेल्फी लेने आता है तो आपको विनम्र होना पड़ता है. मेरी पत्नी के लिए, यह एक मुद्दा बन जाता है, लेकिन अनुष्का और विराट काफी अच्छे लोग हैं और वो अपने बच्चों को सामान्य तरीके से पालना चाहते हैं.

2017 में हुई थी विराट-अनुष्का की शादी

अनुष्का और विराट ने एक दूसरे को साल 2013 से डेट करना शुरू किया था. करीब चार साल की डेटिंग के बाद कपल ने 2017 में इटली में धूमधाम से शादी रचा ली थी. 2021 में कपल ने बेटी वामिका और 2024 में बेटे अकाय कोहली का वेलकम किया.

पहलगाम हमला: विधायकों के बिगड़े बोल पर घिरी कांग्रेस

देश के स्वाभिमान के लिए सभी को एकजुट रहना चाहिए

पाकिस्तान की हिरासत में बीएसएफ जवान: सैनिक की पत्नी फिरोजपुर रवाना

कोलकाता

पंजाब के फिरोजपुर बॉर्डर पर गलती से सरहद लांघ कर पड़ोसी मुल्क की सीमा से पाकिस्तानी सेना द्वारा पकड़े गए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पीके साहू को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। इसे लेकर सैनिक के परिजनों की चिंता बढ़ रही है। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी सोमवार को पश्चिम बंगाल के रिशरा स्थित अपने घर से फिरोजपुर के लिए रवाना हुई। वे फिरोजपुर बॉर्डर पर पहुंचकर अपने पति की वापसी को लेकर बीएसएफ अधिकारियों से बात करेंगी। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी ने कहा कि यदि बीएसएफ शिविर के अधिकारियों से उनकी पूछताछ संतोषजनक नहीं रही तो वह केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात के लिए फिरोजपुर से दिल्ली आएंगी। बीएसएफ जवान की पत्नी गर्भवती हैं। उनके साथ उसका बेटा और तीन रिश्तेदार फ्लाइट के जरिये कोलकाता से चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। चंडीगढ़ से वह भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित फिरोजपुर जाएंगे। रजनी ने कहा कि मैं बता नहीं सकती कि मैं कितने तनाव में हूं, क्योंकि बीएसएफ अधिकारी मुझसे सिर्फ चिंता न करने को कह रहे हैं। कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है। मैं बहुत चिंतित हूं। इसलिए मैंने अपनी स्थिति के बावजूद यात्रा की योजना बनाई। इससे पहले रविवार को रजनी ने कहा था कि खबर सुनने के बाद से मैं चिंता में हूं। पांच दिन हो गए हैं और अभी भी उनकी वापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैंने चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट ली है। वहां से मैं फिरोजपुर जाऊंगी। मेरा बेटा और तीन अन्य रिश्तेदार मेरे साथ जाएंगे। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिशरा के हरिसभा क्षेत्र के निवासी बीएसएफ जवान के माता-पिता ने कहा कि वे केंद्र सरकार से अपने बेटे की वापसी के लिए हर संभव कदम उठाने की अपील करेंगे। जवान की मां ने कहा कि हम बहुत तनाव में हैं। मैं बीएसएफ अधिकारियों से अपने बेटे को वापस लाने की गुहार लगा रही हूं। पंजाब के फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात साहू को बुधवार को पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था।

पहलगाम पर सर्वदलीय बैठक में पीएम नहीं आए: खड़गे

नई दिल्ली

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जरिए चलाए जा रहे संविधान बचाओ' अभियान के तहत सोमवार को जयपुर के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली आयोजित की गई। रैली की शुरूआत सुबह 11 बजे से हुई, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया।

देश के स्वाभिमान के लिए सभी को एकजुट रहना चाहिए

श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने आतंकी हमले को लेकर कहा कि उस दौरान उन्होंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि प्रधानमंत्री को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए, क्योंकि जब देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंचे तो हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम चाहते थे कि इस बैठक में प्रधानमंत्री अपने प्लान के बारे में बताएं और लोगों के सुझाव भी लें। खड़गे ने आगे कहा कि इसके अलावा, हमने सीडब्ल्यूसी मीटिंग भी बुलाई, जिसमें हमने तय किया था कि हम सभी सरकार के साथ हैं। हमने सर्वदलीय बैठक में भी कहा था कि इस कठिन समय में हम सरकार द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी कदम में उनके साथ हैं।

इसमें बैठक सभी दलों के लोग आए लेकिन पीएम इस बैठक में नहीं आए। जब देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंची तो आप बिहार में प्रचार कर रहे थे। आप बिहार से आते, हमें अपनी योजनाएं बताते और बताते कि आपको हमसे किस तरह का सहयोग चाहिए।

कांग्रेस के लोगों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और खून बहाया

इसके अलावा राहुल गांधी के कश्मीर दौरे पर उन्होंने कहा कि वे कश्मीर गए लेकिन प्रधानमंत्री ऐसी किसी मीटिंग में नहीं आए. हम उनसे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते लेकिन ये याद रखिए, देश सबसे पहले है. आप आजादी की लड़ाई नहीं लड़ पाए।

कांग्रेस के लोगों ने लड़ाई लड़ी और खून बहाया।

पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस की हिदायत- पार्टी लाइन से हटकर बयान न दें पार्टी के नेता

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने पहलगाम पर अपने कुछ नेताओं की विवादित टिप्पणियों से दूरी बनाते हुए हिदायत दी कि संवेदनशील विषय पर पार्टी लाइन से हटकर बयान नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, कुछ कांग्रेस नेता मीडिया से बात कर रहे हैं जो कांग्रेस के विचारों को नहीं दर्शाते हैं। जयराम रमेश ने एक पोस्ट में लिखा, इस संवेदनशील समय में इस बात पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस कार्यसमिति का प्रस्ताव, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान और अधिकृत एआईसीसी पदाधिकारियों के विचार ही कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं।

'कांग्रेस नेताओं के बयान असंवेदनशील और बेशर्मी भरे' भाजपा ने राहुल गांधी और खरगे को घेरा

नई दिल्ली

भाजपा ने सोमवार को कुछ कांग्रेस नेताओं के पहलगाम हमले को लेकर दिए बयानों पर पार्टी के नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को घेर लिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेताओं के बयानों को असंवेदनशील और बेशर्मी भरा बताया। दरअसल कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के पीड़ितों के उस दावे पर सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोगों के धर्म पूछकर गोली मारी गई। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे पहलगाम हमले पर एकजुटता की बात करते हैं तो दूसरी तरफ उनके नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। प्रसाद ने पूछा कि क्या राहुल गांधी और खरगे के बयान महज औपचारिकता ही हैं।

भाजपा ने राहुल गांधी और खरगे पर साधा निशाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बयान पाकिस्तान के न्यूज चैनलों द्वारा दिखाया जा रहा है। जब पूरी दुनिया के देश भारत के साथ हैं, तो कर्नाटक जैसे अहम राज्य के सीएम ऐसा बयान दे रहे हैं। भाजपा

नेता ने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार , कर्नाटक कांग्रेस के नेता आरबी तिम्मापुर और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के बयानों का जिक्र किया और कांग्रेस पार्टी को जमकर लताड़ा। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 'क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? या सिर्फ दोनों खुद औपचारिकता करके अन्य नेताओं को मन मुताबिक कुछ भी बोलने की आजादी दे रहे हैं?'

'कांग्रेस नेताओं के बयान भारत को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल हो रहे'

प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तानी मीडिया द्वारा भारत को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस नेताओं के बयानों को असंवेदनशील और बेशर्मी भरा बताया। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया से जब आतंकी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'युद्ध की कोई जरूरत नहीं है। हम इसके पक्ष में नहीं हैं। हमें कड़े कदम उठाने चाहिए। सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए।' कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने अपने बयान में कहा था कि 'सरकार को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे (सरकार) कह रहे हैं कि लोगों से पूछकर (उनका धर्म पूछकर) गोलियां मारी गईं..लेकिन क्या आतंकियों के पास इतना समय था? आतंकियों का कोई धर्म और जाति नहीं होती। सरकार को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।' कर्नाटक कांग्रेस के नेता आरबी तिम्मापुर ने भी ऐसा ही बयान दिया था।

पंजाब किंग्स के धर्मशाला लीग के टिकट ऑफलाइन की बिक्री शुरू

दिव्या दिल्ली : चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में अपने पहले चार घरेलू मैच समाप्त करने के बाद, पंजाब किंग्स अपने घरेलू लीग के दूसरे मैचों को खेलने के लिए एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में आएंगे और बाकी तीन घरेलू मैच खेलेंगे डिस्ट्रिक्ट ऐप और पंजाब किंग्स की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धर्मशाला में होने वाले पहले दो मैचों के टिकट भी ऑफलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए बॉक्स ऑफिस 27 और 28 अप्रैल को खुला रहेगा,

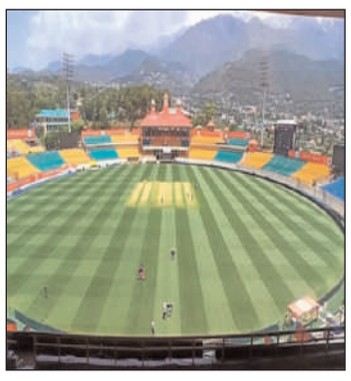

जबकि दिल्ली कैपिटल्स गेम के लिए ऑफलाइन टिकट 30 अप्रैल और 1 मई को बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे

बॉक्स ऑफिस स्टेडियम के गेट एमई 1 के बगल में स्थित होगा और टिकटों की बिक्री सुबह 11 बजे से शुरू होगी।मैच के टिकट लेने के लिए काउंटर पर हर व्यक्ति को एक वैध आईडी साथ लानी होगी और इस दौरान टिकट काउंटर पर सामान्य और आतिथ्य दोनों टिकट उपलब्ध होंगे और एक व्यक्ति अधिकतम 2 टिकट खरीद सकता है। किंग्स के धर्मशाला में तीन मैच होने हैं जो कि पहला 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ, दूसरा 8 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ और तीसरा 11 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेला जाएगा।

सोमनाथ मंदिर अतिक्रमण मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, 'दीवार की ऊंचाई 5-6 फीट से ज्यादा न हो'

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात सरकार को दिए अपने एक निर्देश में कहा है कि सोमनाथ मंदिर को अतिक्रमण से बचाने के लिए बनाई जा रही दीवार की ऊंचाई पांच-छह फीट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक याचिका पर यह निर्देश दिया, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य सरकार मंदिर परिसर के चारों तरफ ऊंची दीवार बना रही है।

'पांच-छह फीट से ऊंची दीवार न बनाएं'

पीठ ने कहा कि '12 फीट की दीवार न बनाएं, अगर आप परिसर को अतिक्रमण से बचाना चाहते हैं तो पांच या छह फीट ऊंची दीवार काफी है।' गुजरात सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता के दावे को खारिज करते हुए कहा कि 'हम कोई किला नहीं बना रहे हैं कि उसमें कोई दाखिल ही न हो पाए। यह बस अवैध अतिक्रमण से बचने के लिए है।' इसके बाद जस्टिस गवई ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि वे इसकी निगरानी करें।

याचिकाकर्ता का आरोप- यथास्थिति बदलने की हो रही कोशिश

याचिकाकर्ता के वकील संजय हेगड़े ने दावा किया कि दीवार बनाकर यथास्थिति को बदलने की कोशिश हो रही है। हालांकि गुजरात सरकार ने इस दावे को खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 20 मई तक टाल दी।

परीक्षा में जनेऊ, मंगलसूत्र पर रोक का आदेश गलत: डिप्टी सीएम शिवकुमार

बंगलूरू

रेलवे परीक्षा के दौरान धार्मिक प्रतीकों जैसे जनेऊ, मंगलसूत्र आदि के पहनने पर रोक लगाने के फैसले की कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने आलोचना की है और इस आदेश को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान धार्मिक प्रतीकों की जांच की जा सकती है, लेकिन इन पर पूरी तरह से रोक लगाना अनुचित है। डीके शिवकुमार ने कहा कि इस तरह से आदेश से लोगों में गुस्सा पनपता है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने आदेश वापस लेने की मांग की गौरतलब है कि रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की मंगलवार को परीक्षा होनी है। इस परीक्षा में उम्मीदवारों के धार्मिक प्रतीकों जैसे जनेऊ, मंगलसूत्र आदि पहनने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। इस पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि 'धार्मिक प्रतीक जैसे मंगलसूत्र या जनेऊ आदि की जरूरत पड़ने पर जांच की जा सकती है, लेकिन इन्हें पूरी तरह से हटाना गलत है। हमारा साफ कहना है कि ऐसे धार्मिक प्रतीकों जैसे कान की बाली, मंगलसूत्र, जनेऊ या कमरबंद आदि की जांच की जा सकती है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन पूर्व में ऐसी घटनाएं भी हुई हैं, जहां लोगों ने अपने कान में छोटी सी डिवाइस रख ली। ये सही नहीं है। इस आदेश को वापस लिया जाना चाहिए..। मुझे लगता है कि जो भी लोगों में गुस्सा पैदा करे, उसे हटा देना चाहिए। मेरी मांग है कि ऐसे नियम हटाए जाने चाहिए।'

विज्ञापन

वीएचपी ने भी जताई थी आपत्ति

गौरतलब है कि हिंदूवादी संगठन विश्व हिंदू परिषद ने भी आरआरबी की परीक्षा में धार्मिक प्रतीकों पर रोक के आदेश की आलोचना की है।

पहलगाम हमले पर सिर्फ बड़ी बातें कर रहे पीएम मोदी- नेगी

दिव्या दिल्ली : हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भी प्रधानमंत्री ने कश्मीर जाने के बजाय बिहार में चुनावी रैली को प्राथमिकता दी। नेगी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब देश के नागरिकों पर आतंकी हमला होता है, तब सरकार का पहला कर्तव्य सुरक्षा और स्थिति को संभालना होना चाहिए। लेकिन, पीएम मोदी ने

कश्मीर की स्थिति को नजरअंदाज कर बिहार में रैली करना ज्यादा जरूरी समझा। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।जगत नेगी ने आतंकवाद के खिलाफ केंद्र की नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी धमकियां देने के बावजूद अब तक आतंकियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। केवल नागरिकों को बाहर भेजना समस्या का हल नहीं है। असली चुनौती आतंकियों को खत्म करना है, जिसमें सरकार असफल दिख रही है। मंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान द्वारा भारत के लिए एयर स्पेस बंद करना एक चिंताजनक कदम है, जिससे देश की एयरलाइंस कंपनियों और व्यापारिक क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कहा कि एयररस्पेस प्रतिबंध से यात्राओं का समय और खर्च दोनों बढ़ रहे हैं। इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है।

स्त्री हूँ मैं: एक और पुकार

दिव्या दिल्ली : मैं एक स्त्री हूँ,हर रोज समाज के कटघरे में खड़ी एक मौन चीख हूँ।मेरे आँचल में हैं आंसुओं की धाराएं,और आँखों में पलते हैं सवाल – कब तक? क्यों? किसलिए? जब मेरी चुप्पी को मेरी कमजोरी समझा गया, जब मेरी इज्जत को पैरों तले कुचला गया,तब भी मैंने खुद को समेटा, और ज़िन्दगी की डोर थामी,पर अब... अब और नहीं। मैं वो हूँ जो हर महीने रक्तस्राव सहती है, नौ महीने जीवन को कोख में पालती है,और फिर भी जब किसी दरिंदे की हैवानियत वजूद को चीर देती है,तो अखबार के एक कोने में बन जाती हूँ बस एक खबर। क्या मैं बस एक शरीर हूँ? क्या मेरा दर्द किसी के वोट बैंक से कम है? क्यों मेरी चीखें दीवारों में गूंजती हैं मगर सुनी नहीं जातीं? अब वक्त है – अब सिर्फ मोमबत्तियाँ

नहीं, इंकलाब चाहिए। हर गली, हर घर, हर जहन में संस्कारों की लौ जलानी होगी। हर बेटे को बताना होगा कि "ना" का मतलब ना होता है। मैं चाहती हूँ ना कोई और बेटी खौफ में जीए, ना किसी माँ को अपनी बच्ची को छुपाकर पालना पड़े। अब मुझे सहानुभूति नहीं, मुझे समानता और सुरक्षा चाहिए।

एक समय ऐसा आएगा कि भारतीय संस्कृति अपनाने से ही लोगों को शांति मिलेगी- बाबा उमाकान्त जी महाराज

दिव्या दिल्ली : पिपलानी, भेल भोपाल (म. प्र.) परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि मैं बहुत देशों में गया लेकिन जो सेवा भाव भारत देश में है, वह और कहीं नहीं है। सत्य तो है वहां ज्यादा लेकिन बाकी यह चीजें नहीं है। वहाँ स्वार्थपरता है। विदेशों में हिंसा-हत्या भी भारत देश से ज्यादा है और परोपकार, सेवा भाव भी नहीं है, लेकिन भारत देश में सेवा भाव बहुत है। जब से सेवा लोगों ने छोड़ दिया तब से सेवा का फल मिलना बंद हो गया। नहीं तो पहले गृहस्थ के यहां शाम को कोई भी पहुंच जाता, तो खुश हो जाता था कि बिना बुलाए मेहमान आ गए, भगवान आ गए। और जो भी उनके पास होता, प्रेम के साथ, आदर के साथ उनको खिलाते और उनके सोने की व्यवस्था भी कर दिया करते थे।सेवा भाव अब धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है सेवा भाव अब धीरे-धीरे देखो खत्म होता चला जा रहा है। अब अगर कोई रात को पहुंच जाए तो कहते हैं कि टेंशन आ गया, अब

फिर से बर्तन धोओ, फिर से खाना बनाओ और इनको खिलाओ। सोचते हैं कि यही करते रहे तो हम सुबह कब उठेंगे, बच्चों का खाना कब बनाएंगे। लेकिन पहले लोग मेहमान आने पर खुश हो जाते थे । पहले के समय में रोटी बना कर के लोग उसे लेकर उस तरफ पैदल जाते थे जिस तरफ लोगों का आना-जाना रहता था ताकि उनको भोजन करा सके। बूढ़े-बुजुर्ग लोग मटके में पानी भर कर पेड़ के नीचे बैठ जाते थे और आने-जाने वालों को पानी पिलाते थे, भारत की यह संस्कृति भी रही है कि "आओ बैठो, पियो पानी" ।पूरे विश्व को शांति भारत देश से ही मिलेगी कोई भारतीय संस्कृति को खत्म करने का कितना भी प्रयास करे, लेकिन खत्म नहीं कर सकता है। भारतीय संस्कृति कम या ज्यादा तो होती रहेगी लेकिन एक समय ऐसा आएगा कि भारतीय संस्कृति अपनाने से ही लोगों को शांति मिलेगी। केवल भारत के लोगों को ही नहीं, पूरे विश्व को शांति भारत देश से, भारतीय संस्कृति से ही मिलेगी, जब वह शांति की तलाश में भागेंगे।

'अगर पीओके सौंपने से इनकार करे पाकिस्तान तो तुरंत जंग का एलान कर दे भारत'

मुंबई

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने दो टूक शब्दों में कहा है कि अगर पाकिस्तान पीओके सौंपने में आनाकानी करे तो भारत को उसके खिलाफ जंग का एलान कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर पाकिस्तान पीओके को सौंपने से इनकार करता है तो भारत को उसके खिलाफ युद्ध की घोषणा कर देनी चाहिए, क्योंकि जब तक यह क्षेत्र मौजूद है, तब तक आतंकवादी गतिविधियां जारी रहेंगी।' केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने रविवार को मुंबई के पास लोनावला में संवाददाताओं से बात करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397